

: ब्रीफ बॉक्स :

इंडिगो की अहमदाबाद-मुंबई फ्लाइट की सूरत में इमरजेंसी लैंडिंग

उड़ान के दौरान 3 साल का बच्चा बेहोश हुआ



सूरत,एजेंसी। अहमदाबाद से मुंबई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E-7018 में सोमवार शाम 3 साल का बच्चा बेहोश हो गया। उसकी हालत बिगड़ने पर पायलट ने मेडिकल इमरजेंसी घोषित की। फ्लाइट की सूरत एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बच्चे को सूरत के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बच्चे की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। फ्लाइट में मौजूद दो डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक इलाज देने की कोशिश की, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से संपर्क कर सूरत एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मांगी।

लैंडिंग से पहले एयरपोर्ट पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीम तैयार थी: मेडिकल इमरजेंसी की सूचना मिलते ही सूरत एयरपोर्ट को अलर्ट कर दिया गया। छद्म, एयरपोर्ट की मेडिकल टीम और इंडिगो की ग्राउंड टीम ने पहले से तैयारी कर ली। विमान के उतरते ही डॉक्टर

बिहार- एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की तेरहवीं



मुम्बईवाली जगह पर नारे लगे

आरा (भोजपुर),एजेंसी। बिहार के भोजपुर में 17 जून को पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की तेरहवीं है। करीब 25 हजार लोगों के लिए खाने का इंतजाम है। जबकि 15 हजार और लोगों के लिए राशन स्टॉक रखा गया है। श्राद्ध का भोज शुरू हो चुका है। गांव के आसपास खेतों में दो बड़े टेढ़े लगाए गए हैं। कुर्शियां मंगवाई गई हैं। लोगों के आराम करने के लिए खेतों में परतें लगे हैं। घर के सामने विशाल शामियाना लगाया गया है। मौसम को देखते हुए कुलर और पंखे भी लगाए गए हैं। भरत के पिता काशीनाथ तिवारी और भाई चंदन तिवारी ने बताया कि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों के उद्धार और आराम की भी पूरी व्यवस्था की गई है।

ट्रम्प बोले: पेट्रोल बेचने वाली कंपनियां तुरंत दाम घटाएं

» कच्चा तेल सस्ता हो गया, फिर भी ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे

तेल अवीव/ तेहरान/ वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पेट्रोल बेचने वाली कंपनियों से तुरंत पेट्रोल के दाम घटाने को कहा है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर लिखा कि कच्चे तेल की कीमत घटकर 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसका फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा। उन्होंने कहा कि लोग अब भी जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि तेल लगातार सस्ता हो रहा है। उन्होंने कंपनियों से पेट्रोल की कीमत करीब 2.50 डॉलर प्रति बैरल तक लाने की अपील की।

ट्रम्प ने कहा कि ग्राहकों से जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलना गैरकानूनी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कंपनियां ने जल्द दाम नहीं घटाए तो उन्हें बड़ी



नई दिल्ली,एजेंसी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो गए। रिटायरमेंट से पहले

जनरल द्विवेदी आर्मी चीफ पद से रिटायर

● बोले- सेना ने जिम्मेदारियां बखूबी निभाई, ऑपरेशन सिंदूर उदाहरण ● नए जनरल धीरज सेठ ने पदभार संभाला

उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। द्विवेदी ने कहा- दो सालों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर अपनी तैयारी, संतुलन और सतर्कता मजबूत बनाए रखी। ऑपरेशन सिंदूर इसका

प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं को कायम रखते

हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। द्विवेदी की जगह जनरल धीरज सेठ ने ली है। उन्होंने आज कार्यभार संभाल लिया है। सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ हैं। उन्हें भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने दिसंबर 1986 सेना ज्वाइन की थी।

सेना बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं सेठ आर्मी चीफ सेठ सेना के बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल कृष्ण मोहन सेठ भारतीय सेना में एडजुटेंट जनरल के पद से 1997 में रिटायर हुए थे।

जनरल कृष्ण मोहन सेठ ने सेना की दो बड़ी और अहम टुकड़ियों XXII स्ट्राइक कोर और III कोर की कमान भी संभाली थी। धीरज सेठ खेलों में भी गहरी रुचि रखते हैं। उन्हें टेनिस और गोल्फ खेलना पसंद है। उनकी पत्नी का नाम कोमल सेठ है।

यूपी-बिहार और छत्तीसगढ़ में पेड़-बिजली गिरने से 13 की मौत

» मानसून म.प्र.-गुजरात में अटका, दिल्ली-हरियाणा में तापमान 43डिग्री

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना ,एजेंसी। देश के 4 राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, छह राज्यों में तेज गर्मी हो रही है। हरियाणा और दिल्ली में पारा 43डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। यूपी में मानसून की एंट्री के लिए सिस्टम एक्टिव हो गया है। सोमवार को लखनऊ समेत 15 जिलों में तेज बारिश हुई। मिर्जापुर में बारिश के बाद अंडरपास में करीब 3 फीट पानी भर गया। फिरोजाबाद के गांव में ई-रिक्शा पर नीम का पेड़ गिर गया, हादसे में 5 लोगों की मौत हो



गई। 2 लोग घायल हैं। बस्ती और महाराजगंज में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। बिहार के 15 जिलों में सोमवार को आंधी के साथ बारिश हुई। सीतामढ़ी, मुंगेर और पटना में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। 24 लोग झुलस गए। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में सोमवार शाम बिजली गिरने से 2

बच्चों और एक युवक की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में सोमवार को 12 जिलों में बारिश हुई। मानसून ने 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। अब तक 22 राज्यों को कवर किया, लेकिन इसके बाद से आगे नहीं बढ़ा। मौसम विभाग के मुताबिक, 5 जुलाई मानसून पूरे देश को कवर कर लेगा। असम राज्य आपदा प्रबंधन

असम में बाढ़, 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित... अरुणाचल प्रदेश और असम के कई हिस्सों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल में बारिश से लेकू नदी उफान पर आ गई, जिससे असम के जोनाई इलाके में भीषण बाढ़ आ गई। नेशनल हाईवे-515 भी डूब गया।

प्राधिकरण (ASDMA) के मुताबिक, बाढ़ से राज्य के छह जिलों में 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा असर धेमाजी जिले में पड़ा है, जहां करीब 16 हजार लोग प्रभावित हैं। बाढ़ से 96 गांव डूब गए हैं, करीब 1690 हेक्टेयर फसल और 48 हजार से ज्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं।

अब यूजरनेम से भी होगी वॉट्सएप पर चैट

29 जून से बुकिंग शुरू; बिना मोबाइल नंबर बताए बातचीत भी कर सकेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। अब तक वॉट्सएप पर किसी नए व्यक्ति से बात करने के लिए मोबाइल नंबर देना जरूरी होता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मेटा के स्वामित्व वाले वॉट्सएप ने यूजरनेम फीचर लॉन्च करने का ऐलान किया है। इसके बाद लोग अपना मोबाइल नंबर बताए बिना भी सिर्फ यूजरनेम के जरिए चैट कर सकेंगे।

कंपनी ने 29 जून से दुनियाभर में यूजरनेम की बुकिंग शुरू कर दी है। हालांकि यह सुविधा सभी यूजर्स को एक साथ नहीं मिलेगी। आने वाले कुछ महीनों में इसे धीरे-धीरे सभी देशों में रोल आउट किया जाएगा। जब यह फीचर यूजर के इलाके में उपलब्ध होगा, तब उसके वॉट्सएप के अंदर नोटिफिकेशन मिलेगा।

सबसे पहले जानें, जल्दी यूजरनेम बुक करना क्यों जरूरी है: दुनियाभर में करोड़ों यूजर्स एक जैसे या मिलते-जुलते यूजरनेम चुन सकते हैं। ऐसे में जो लोग पहले अपना यूजरनेम रिजर्व करेंगे, उन्हें अपनी पसंद का यूजरनेम मिलने की संभावना ज्यादा होगी।

वॉट्सएप के हेड कुणाल शाह



इस नए फीचर से क्या बदलेगा... यूजरनेम फीचर आने के बाद कुछ स्थितियों में फोन नंबर अपने-आप दिखाई नहीं देगा।

इनमें शामिल है... इस बदलाव से आपका फोन नंबर निजी (प्राइवेट) रहेगा। वह तभी दिखाई देगा, जब आप खुद उसे साझा करना चाहेंगे।

ने x पर लिखा: सही समय ही सब कुछ है। दुनिया भर में यह फीचर जारी होने से पहले ही वॉट्सएप से जुड़े और अपना यूजरनेम सुरक्षित कर लें। अब अपनी पसंद का यूजरनेम लेने का समय है। लोगों से जुड़ने का एक अधिक निजी (प्राइवेट) तरीका जल्द ही आपके वॉट्सएप पर आने वाला है।

एथेनॉल आवंटन में बदलाव नहीं करें, सुप्रीम कोर्ट का आदेश

● सरकार ने कहा- 20% एथेनॉल मिलाने की पॉलिसी एक एक्सपेरिमेंट, असर अगले साल और साफ होगा

दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एथेनॉल सप्लाई इंयूर 2025-26 के लिए एथेनॉल आवंटन में कोई बदलाव नहीं करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अर्दानी जनरल आर वेक्टरमणी ने कहा कि पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने (ई 20) की सरकारी नीति नहीं बदलेगी। इस योजना का पूरा असर अगले साल तक और साफ हो जाएगा। कोर्ट ने भारत पेट्रोलियम



कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एम एम सुंदरश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने यह आदेश दिया। अर्दानी जनरल ने कहा कि कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश से सरकार की 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग योजना पर असर पड़

सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि इसी तरह के कई मामले अलग-अलग हाईकोर्ट में चल रहे हैं।

एथेनॉल सप्लाई के समझौते अक्टूबर 2025 में ही हो चुके: सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि BPCL ने हाईकोर्ट की बड़ी बेंच में अपील क्यों नहीं की। इस पर अर्दानी जनरल ने कहा कि एथेनॉल सप्लाई के समझौते अक्टूबर 2025 में ही हो चुके हैं। अगर हर हाईकोर्ट में अलग-अलग सुनवाई हुई तो फैसला

रिवाज केसे शुरू हुआ... यह मामला विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। कंपनी ने कर्नाटक हाईकोर्ट में कहा था कि उसने सिर्फ एथेनॉल बनाने का प्लांट लगाया है। उसकी सालाना क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है, लेकिन 2025-26 के लिए उसे सिर्फ 3.92 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई का ऑर्डर मिला। जबकि उसने 9.26 करोड़ लीटर की बोली लगाई थी।

आने में देरी होगी और इससे देश की नीति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मामले को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की अनुमति भी मांगी। सुनवाई के बाद अर्दानी जनरल ने कहा कि 20%

36 साल बाद यासीन मलिक की चार्जशीट पेश

आरोप- कश्मीरी पंडित नर्स को किडनैप कर 4 दिन टॉर्चर किया, फिर मार डाला

श्रीनगर,एजेंसी। कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट्ट के किडनैप और हत्या के 36 साल पुराने केस में जम्मू-कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने सोमवार को चार्जशीट कोर्ट में पेश की है। 737 पन्नों की चार्जशीट में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) के तत्कालीन चीफ कमांडर यासीन मलिक समेत 5 लोगों को आरोपी बनाया गया है।



अहमद चालको अब भी फरार है। उसके क्लब में छिपे होने की आशंका है। सरला को गोली मारने वाला

चार्जशीट के मुताबिक, यासीन मलिक और उसके साथियों ने सरला भट्ट की किडनैपिंग और उनकी हत्या की साजिश रची थी। यासीन फिलहाल आतंकी फंडिंग के मामले में तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। वहीं, मुख्य शूटर खुशीद अहमद चालको अब भी फरार है। उसके क्लब में छिपे होने की आशंका है। सरला को गोली मारने वाला

वही था। तीन और आरोपी अब्दुल हमीद शेख, मोहम्मद यूसुफ सोफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपल की मौत हो चुकी है।

34 साल बाद SIA को जांच सौंपी गई थी: मार्च 2024 में यह केस जम्मू-कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) को सौंपा गया। इसके बाद एजेंसी ने करीब दो साल तक मामले की जांच की। जांच के दौरान कई जगह छापेमारी की गई। पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए।

राम मंदिर तोरी-

अयोध्या पहुंचे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष नजरबंद

● कई कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट ● सीसीटीवी की निगरानी में तैनात अफसर का 17 साल बाद ट्रांसफर

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सियासत तेज हो गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने सोमवार देर रात 11.30 बजे अयोध्या के एक होटल में नजरबंद कर दिया। थोड़ी देर बाद उन्हें कृषि विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस ले गई। कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा, तनुज पुनिया और उज्जवल रमण सिंह को हाउस अरेस्ट किया गया है। अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस डेलीगेशन चढ़ावा चोरी का विरोध करने पहुंचा था। उन्होंने आज यानी मंगलवार को ट्रस्ट कार्यालय के घेराव का ऐलान किया था। इस बीच, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोपहर 12.30 बजे राम जन्मभूमि मंदिर कूच किया। पुलिस ने मंदिर से एक किलोमीटर पहले टेढ़ी बाजार में उन्हें रोक दिया। इससे कार्यकर्ता भड़क गए। धक्का-



मुक्की करने लगे। पुलिस ने हिरासत में लिया। घसीट-हल्का बल प्रयोग कर उन्हें घसीटकर गाड़ी में भरा।

इससे पहले, अजय राय की पत्नी रीना राय ने वाराणसी से एक वीडियो जारी किया, उन्होंने कहा... मेरे पति की आवाज दबाने के लिए भाजपा सरकार किसी भी हद तक गिर सकती है। पुलिस जीप में ले जाने के बाद हमारे सहयोगियों को गलत जानकारीयें देकर भटकया जा रहा है। 'चढ़ावा चोरी' के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। अगर मेरे पति को कुछ भी होता है, तो जिम्मेदारी अधर्मी भाजपा सरकार की होगी।

2029 से अमरनाथ के लिए केबल कार चलाने की तैयारी

अप्रैल 2027 से काम शुरू होगा

» 5-8 घंटे का सफर 30 मिनट में पूरा होगा

जम्मू-श्रीनगर,एजेंसी। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु 2029 से बालटाल रूट पर केबल से सफर कर सकेंगे। केंद्र सरकार अगले साल अप्रैल से 11.6 किमी लंबे रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू करने की तैयारी में है। परियोजना पूरी होने के बाद बालटाल से संगम टॉप तक पहुंचने में 5 से 8 घंटे की जगह 25 से 30 मिनट लगेगे। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (NHLM) ने प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार कर ली है। इसे केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। सूत्रों के मुताबिक नवंबर-दिसंबर में टेंडर जारी किए जाएंगे। अप्रैल 2027 से निर्माण शुरू होगा। 2029 तक इसे चालू करने का लक्ष्य है।

केबल कार बालटाल के डोमेल गेट से चलकर संगम टॉप तक जाएगी। मुख्य गुफा और प्राकृतिक बर्फ के शिवलिंग की संवेदनशीलता को देखते हुए इसका आखिरी स्टेशन गुफा से करीब 2किमी.



पैदल ट्रैक के समानांतर रोपवे नहीं बनेगा... सूत्रों के मुताबिक रोपवे मौजूदा पैदल मार्ग के बिल्कुल समानांतर नहीं बनेगा। इसे पहाड़ियों और गहरी खाइयों के ऊपर से सीधी हवाई लाइन में बनाया जाएगा। हालांकि, इसके टर्मिनल पैदल मार्ग से जुड़े रहेंगे, ताकि किसी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला जा सके।

पहले बनाया जाएगा। अभी बालटाल से अमरनाथ गुफा तक 14किमी. पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है। केबल कार शुरू होने के बाद श्रद्धालुओं को सिर्फ 2-3किमी. पैदल या पालकी से जाना होगा।

मणिपुर के डीजीपी ने काकचिंग एवं चंदेल जिलों का दौर कर सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा

डीजीपी ने पीएचक्यू में स्पेशल कमांडो यूनिट के अधिकारियों और कमांडरों से की चर्चा

इंफाल,एजेंसी। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुकेश सिंह ने एडीजीपी (एल एंड ओ) के साथ मिलकर सोमवार को काकचिंग जिले, लेइकुन में 8वीं मणिपुर राइफल्स (एमआर) के मुख्यालय और चंदेल जिले का दौरा किया। इस दौरे का मकसद सुरक्षा तैयारियों, पुलिसिंग और विभागीय कल्याण कार्यों का जायजा लेना था। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक जानकारी में बताया गया है कि काकचिंग जिले में, डीजीपी ने खेती के मौजूदा मौसम के दौरान संवेदनशील इलाकों में किसी भी अग्रिम घटना को रोकने के लिए जिला पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की। जिला पुलिस, सीएपीएफ और केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने प्रभावी जांच, मामलों के तेजी से निपटारे, राष्ट्र-विरोधी तत्वों और ड्रग्स तस्करो के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चलाने और



अवैध हथियारों एवं गोला-बारूद की बरामदगी के लिए प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बेहतरीन पेशेवर रवैया दिखाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को उचित इनाम दिया जाएगा। डीजीपी ने काकचिंग जिला पुलिस की 'साइकिल पैट्रोल' पहल

की भी तारीफ की, जो बीट पुलिसिंग का एक असरदार मॉडल है। उन्होंने विभिन्न सीएसओ (नागरिक समाज संगठनों) के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। लेइकुन में 8वीं एमआर के मुख्यालय में, डीजीपी ने विभिन्न पोस्ट और आउटपोस्ट पर तैनाती, स्टैटिक गार्ड और कानून-

व्यवस्था से जुड़ी इयूटी पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को यूनिट के भीतर सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए पेशेवर रवैया, अनुशासन और काम के अच्छे तरीकों पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे विभागीय कल्याण के लिए यूनिट की जमीन और अन्य संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के नए तरीके खोजें।

चंदेल जिले के दौरे के दौरान, डीजीपी ने चंदेल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय में नए सिरे से तैयार किए गए कॉन्फ्रेंस हॉल और नए बने साइबर सेल का उद्घाटन किया। इस साइबर सेल का मकसद साइबर अपराध की जांच को मजबूत करना और पुलिसिंग इफ़ेक्टिविटी को आधुनिक बनाना है। इसके बाद उन्होंने चंदेल जिला पुलिस के अधिकारियों, सीएसओ के प्रतिनिधियों और असम राइफल्स के

साथ बातचीत की। इस बातचीत के दौरान, उन्होंने पुलिसिंग से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की, पेशेवर और लोगों पर केंद्रित पुलिसिंग पर जोर दिया, शांति और सद्भाव बनाए रखने में जिला पुलिस और सीएसओ के बीच बेहतरीन तालमेल की तारीफ की और अलग-अलग एजेंसियों के बीच लगातार सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने चंदेल के युवाओं को मणिपुर पुलिस की आने वाली भर्ती रैली में हिस्सा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस बीच सोमवार को ही डीजीपी मुकेश सिंह ने एडीजीपी (एल एंड ओ) के साथ मिलकर पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में स्पेशल कमांडो यूनिट के अधिकारियों और कमांडरों के साथ चर्चा कर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस ब्रीफिंग में राज्य में उभरती सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए ऑपरेशनल तैयारी, प्रोफेशनलिज्म, अनुशासन और समन्वित प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया।



नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच और सूरजकुंड थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक इंजीनियर को दबांचा है जो होटल के एक कमरे में नकली नोट छाप रहा था। आरोपी नोएडा की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है। पुलिस ने होटल के कमरे से लैपटॉप, प्रिंटर, विशेष कागज और नकली नोट बरामद किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसको 2 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। आरोपी की पहचान फरीदाबाद के सेक्टर-17 निवासी विनायक झा के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी इंजीनियर दो दिन से होटल में ठहरा था, लेकिन कमरा लॉक करके गायब हो गया। आरोपी पर शक होने के बाद होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने होटल के कमरे से एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाला कागज, 500 रुपये का नकली नोट और 100 रुपये के 10 नकली नोट बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही नकली नोट छापने से संबंधित अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। आरोपी विनायक झा ने वीआईटी, बंगलुरु से स्नातक की पढ़ाई की है।

सूरजकुंड थाने में केस: आरोपी नोएडा स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में आईटी क्षेत्र में काम कर रहा है। सोमवार को होटल के एक कमरे में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची लेकिन तब कमरे में कोई मौजूद नहीं था। तलाशी के दौरान पुलिस को नकली नोट और उनसे संबंधित अन्य सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर सूरजकुंड थाने में केस दर्ज कर लिया है।

विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ: पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को पता है कि पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी अच्छी शिक्षा लेने के बावजूद आरोपी ऐसा आपराधिक गतिविधि में कैसे शामिल हो गया।

पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी पुलिस: एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने पता लगाने में जुटी है कि नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि बरामद लैपटॉप, प्रिंटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की तकनीकी जांच की जाएगी। यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी कहीं नकली नोट तैयार करने वाले किसी गिरोह के संपर्क में तो नहीं था। मामले में उसके अन्य साथियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।



दोस्तों संग स्विमिंग पूल में नहाकर लौट रहा था घर, कार सवार बदमाशों ने पीट-पीटकर मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। गाँजियाबाद के लोनी बॉर्डर थानाक्षेत्र में युवक को बुरी तरह पीट-पीट मौत के घाट उतारने के मामले ने सबको चौंका दिया है। मारपीट की शुरूआत कार से बाइक टकराने के बाद हुई। टक्कर के बाद कार सवार दो हमलावरों ने किशोर को पीट-पीटकर मार डाला। टक्कर सोमवार दोपहर हुई थी और शाम को किशोर की मौत के बाद मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

दोस्तों संग स्विमिंग पूल में नहाकर लौट रहा था घर: लोनी की मुस्ताफाबाद कॉलोनी में रहने वाले शौकत का छोटा बेटा 17 वर्षीय जैद सोमवार सुबह बहेटा हाजीपुर नहर रोड स्थित एक स्विमिंग पूल में नहाने गया था। उसके साथ बाइक पर दो दोस्त नदीम और इब्राहीम भी थे। दोस्तों ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे स्विमिंग पूल से तीनों लौटने के दौरान एक कार की साइड से बाइक टकरा गई। इस पर कार से दो लोग बाहर आए और गालियां देनी शुरू कर दीं।

कार से टक्कर के बाद युवकों ने अगवा करके पीटा: विरोध पर हमलावरों ने बाइक चला रहे जैद को पीटा और खींचकर कार में अगवा कर लिया। दोनों उसे एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में ले गए और बुरी तरह से मारपीट की। इब्राहीम और नदीम भी पीछा करते हुए पहुंचे, जहां दोनों किशोर को पीट रहे थे। इसी दौरान जैद बेहोश हो गया और आरोपी फरार हो गए।

अस्पताल में जैद की हो गई मौत, पुलिस कर रही छानबीन: दोस्त ई-रिक्शा से घायल जैद को उसके घर ले गए। शाम करीब चार बजे परिजन जैद को दिल्ली की जीटीबी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सहायक पुलिस उपअधुक्त ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि रोडवेज में मारपीट के बाद किशोर की मौत हुई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा की पुण्य तिथि पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि



नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को डॉ. साहिब सिंह वर्मा की स्मृति में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के साथ साहिब सिंह वर्मा के पुत्र एवं दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, महामंत्री विष्णु मित्तल, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष सागर त्यागी, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी, प्रवक्ता यासिर जिलानी के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने अपना पूरा जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए समर्पित किया। वे एक ऐसे जनसेवा थे जिन्होंने गांव, गरीब, किसान और आम नागरिकों के हितों को हमेशा प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शिक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों की समस्याओं को उन्होंने हमेशा मजबूती से उठाया और उनके विकास के लिए निरंतर प्रयास किया। मल्होत्रा ने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा की सादगी, ईमानदारी और संगठन के प्रति निष्ठा आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

दिल्ली में विदेशी नागरिकों का एम्फेटामाइन रैकेट पकड़ा, 71 ग्राम ड्रग्स के साथ तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य जिला पुलिस की पटेल नगर थाना पुलिस ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी नागरिकों से जुड़े एम्फेटामाइन तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 71 ग्राम एम्फेटामाइन (व्यावसायिक मात्रा) के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो विदेशी नागरिक ऐसे हैं, जो वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। मामले की जानकारी विदेश मंत्रालय को भी दे दी गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रिंस, एफोसा मिकेल अटोहान उर्फ लियोन और जस्टिन चुकुवा के रूप में हुई है। प्रिंस मूल रूप से दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन का रहने वाला है और वर्ष 2023 में मेडिकल/टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था। उसका वीजा मार्च 2026 में समाप्त हो गया था, लेकिन वह इसके बाद भी अवैध रूप से भारत में रह रहा था। एफोसा मिकेल अटोहान उर्फ लियोन नाइजीरिया के बेनिन सिटी का निवासी है। वह वर्ष 2019 में स्टूडेंट वीजा पर भारत आया था, जिसका वीजा 2023 में समाप्त हो



गया था। तीसरा आरोपित जस्टिन चुकुवा दिल्ली के निलोटी का रहने वाला है। उसके पिता नाइजीरियाई नागरिक हैं, जबकि मां भारतीय नागरिक हैं। मध्य जिले के पुलिस उपअधुक्त रोहित रातबीर सिंह ने मंगलवार को बताया को 25 जून को सूचना मिली थी कि एक विदेशी नागरिक पटेल नगर इलाके में नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहा है।

सूचना के आधार पर एसएचओ इंसपेक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व एक टीम गठित की गई। पुलिस ने शोदीपर फ्लाईओवर के पास जाल बिछाकर पहले आरोपी को 54 ग्राम एम्फेटामाइन के साथ दबोच लिया। पूछताछ के बाद निहाल विहार और निलोटी में लगातार छापेमारी कर उसके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों

आरोपितों के कब्जे से कुल 71 ग्राम एम्फेटामाइन बरामद हुई, जिसे कानून के अनुसार जब्त कर लिया गया। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे भारत और नाइजीरिया के बीच कपड़ों के आयात-निर्यात का कारोबार करने की आड़ में एम्फेटामाइन की खरीद-फरोख्त भी करते थे। तीनों मिलकर दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में नशीले पदार्थ की सप्लाई कर मोटा मुनाफा कमाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों विदेशी आरोपितों के वीजा काफी पहले समाप्त हो चुके थे और वे अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। इस संबंध में विदेश मंत्रालय को सूचना भेज दी गई है तथा वीजा से जुड़े रिकॉर्ड का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस अब ड्रग्स की सप्लाई करने वाले स्रोत, खरीदने वालों, वित्तीय लेन-देन, मोबाइल फोन, डिजिटल साक्ष्यों तथा अंतरराष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कड़ियों की जांच कर रही है। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड का भी सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पूरे ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है।

यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कहर, 22 शहरों में रेड अलर्ट फ्रांस-स्पेन और इटली समेत कई देशों में और बढ़ेगा तापमान

रोम एजेंसी। यूरोपीय देशों में पिछले एक हफ्ते से रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी के चलते पूरे महाद्वीप में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और लोगों के दैनिक जीवन पर बुरा असर पड़ा है। साथ ही जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा यह चेतावनी भी दी गई है कि अगले हफ्ते की शुरुआत से फ्रांस और जर्मनी जैसे देश जहां पिछले कुछ दिनों में गर्मी का सबसे ज्यादा असर देखा गया, वहां गर्मी फिर से बढ़ सकती है।

इटली के 22 शहरों में रेड अलर्ट: यूरोप में पिछले एक हफ्ते से जारी रिकॉर्ड तोड़ हीटवेव (लू) ने अब इटली और बाल्कन देशों को अपनी चपेट में ले लिया है।



इटली के उत्तर में बोलजानो से लेकर दक्षिणी द्वीप सिसिली में पलेर्मो तक 22 शहरों में रेड हीट वॉर्निंग (भीषण गर्मी की चेतावनी) जारी की गई है।

वेटिकन सिटी में भी गर्मी का असर: इस भीषण गर्मी का

असर वेटिकन सिटी में भी साफ देखने को मिला, जहां सेंट्स पीटर एंड पॉल के त्योहार पर पोप लियो का पारंपरिक एंजेलस संदेश सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। चिलचिलाती धूप से बचने के लिए वहां मौजूद तीर्थयात्री लगातार पंखों

और छतरियों का सहारा लेते दिखाई दिए।

गर्मी फिर बढ़ेगी

इटली की मौसम विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष लुका मर्काली ने कहा कि 5-6 जुलाई से तापमान फिर से बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा, प्रभावित इलाके मोटे तौर पर पहली लहर जैसे ही हैं, जिनमें फ्रांस, स्पेन, जर्मनी, इटली, स्विट्जरलैंड और कुछ हद तक ब्रिटेन शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, भीषण गर्मी के साथ जंगल की आग का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन यहां भारी बारिश और तूफान की भी संभावना है।

बातचीत पर अमेरिका-ईरान के दावों में विरोधाभास ट्रंप बोले- बैठक होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान ने सोमवार को अलग-अलग घोषणा की कि वे इस हफ्ते कतर में प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे, हालांकि तेहरान ने जोर देकर कहा कि वह अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर बातचीत करने के लिए सहमत नहीं हुआ है, क्योंकि सप्ताहांत में फ़ारस की खाड़ी में हुए हमलों ने युद्ध खत्म करने की बातचीत को दिशाहीन कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ बैठक का अनुरोध किया है और दोनों पक्ष मंगलवार को दोहा (कतर) में मिलने की योजना बना रहे हैं। लेकिन ईरान के एक वरिष्ठ वार्ताकार ने ऐसी किसी बैठक से इनकार किया। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल कतर जाएगा, जो वार्ता में एक प्रमुख मध्यस्थ है, लेकिन वहां अमेरिका की भागीदारी के बिना अंतरिम



समझौते की शर्तों पर चर्चा की जाएगी। हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के लगभग 20 तेल प्रतिबंधों में राहत देगा, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी और दोनों देशों को

दिए। अमेरिका और ईरान ने इसी महीने एक अंतरिम समझौता किया था, जिसके तहत ईरान अपने संवर्द्धित यूरेनियम के भंडार को कम करेगा। अमेरिका तेल प्रतिबंधों में राहत देगा, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी और दोनों देशों को

व्यापक समझौते के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा। ट्रंप के सोशल मीडिया पर बैठक की घोषणा करने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैथीलेन लेविट ने बताया कि विशेष दूत स्टीव वित्कोफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर कतर रवाना हो रहे हैं। इस वार्ता में एक अन्य मध्यस्थ पाकिस्तान ने भी कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मंगलवार से फिर शुरू होगी। हालांकि, ईरान के वरिष्ठ वार्ताकार कासिम घरीबाबादी ने सरकारी मीडिया से कहा कि किसी वार्ता की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल कतर जाकर जब्त ईरानी धन की रिहाई और अंतरिम समझौते से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा करेगा। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर कोई वार्ता निश्चित नहीं है।

ग्रामीण महिलाओं के उद्यमों का सांसद-विधायक ने किया अवलोकन, आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ा उत्साह



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों का सोमवार को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक धौहनी कुँवर सिंह टेकाम ने भ्रमण कर अवलोकन किया इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्हें

आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत टिकरी में पंचवटी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित दोना-पत्तल निर्माण इकाई, पूजा स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित सतू एवं जनरल स्टोर तथा ग्राम दादर में वैभव लक्ष्मी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित एलईडी बल्ब निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया इस अवसर पर सांसद और विधायक ने

समूह की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्य उत्पादन प्रक्रिया और आय के स्रोतों की जानकारी ली जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों का अवलोकन किया और उनका उत्पादवर्धन करते हुए कई उत्पादों की खरीद भी की इससे महिलाओं में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की

भागीदारी बढ़ाने से न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है बल्कि समग्र ग्रामीण विकास को भी गति मिलती है। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला के रूप में विकसित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार नवाचार कर रही है उन्होंने बताया कि दोना-पत्तल निर्माण जैसी गतिविधियाँ पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। सांसद ने महिलाओं को कैश क्रेडिट लिमिट (छट्टरु) का अधिकतम लाभ उठकर अपने उद्यमों का विस्तार करने की सलाह दी उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी क्षमता और कौशल के आधार पर आगे

बढ़ते हुए ‘लखपति दादी’ बनने की दिशा में प्रयास करना चाहिए, जिससे वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सशक्त बन सकें। विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्व-सहायता समूह को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना प्रार्थमिकता है उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे केवल एक गतिविधि तक सीमित न रहें बल्कि एक से अधिक आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपनी आय के स्रोत बढ़ाएं उन्होंने कहा कि कौशल विकास और स्वरोजगार ही ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मजबूती की ओर ले जा सकते हैं विधायक ने यह भी कहा कि ‘लखपति दादी’ अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता लाने का प्रभावी माध्यम है उन्होंने विश्वास व्यक्त किया

कि इन प्रयासों से महिलाएं न केवल अपने परिवार की स्थिति सुधारेगी बल्कि पूरे गांव और जिले के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आर.पी. त्रिपाठी, समाजसेवी के.के. मिश्रा, वरुण पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे सभी ने महिलाओं के कार्यों की सराहना की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी से ही आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण संभव है स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी बना रही हैं।

जलगंगा संवर्धन अभियान के समापन पर सांसद-विधायक ने दिलाया जल संरक्षण का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। धौहनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सहजनवा में जलगंगा संवर्धन अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह उद्घाटन, जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ आयोजित किया गया इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कलश यात्रा में सहभागिता करते हुए तालाब पूजन किया तथा उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर जल संरक्षण को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण,



जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी समान प्रार्थमिकता दी जा रही है उन्होंने कहा कि जल संरक्षण अब केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि जनभागीदारी का राष्ट्रीय अभियान बन चुका है अमृत सरोवर, ‘कैच

द रेन’ और अन्य जल संरक्षण कार्यक्रमों ने समाज में नई चेतना पैदा की है उन्होंने कहा कि आज हर नागरिक जल संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है जो विकसित भारत की मजबूत नींव है उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में जलगंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से तालाबों, कुओं, बावड़ियों और अन्य

पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन तेजी से किया जा रहा है यह अभियान केवल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जल के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन गया है सांसद ने ग्रामीणों से अपील की कि वे वर्षा जल को संचित करने, जल स्रोतों को प्रदूषण और अतिक्रमण से बचाने तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने का संकल्प लें विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गांवों के समग्र विकास के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

गरौली में जमीनी विवाद के चलते जेसीबी से घर तोड़ा, पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज सौंपकर कार्रवाई की मांग की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर क्षेत्र अंतर्गत गरौली में जमीन विवाद ने सोमवार देर रात गंभीर रूप ले लिया जब एक परिवार का मकान कथित रूप से जेसीबी मशीन से ढहा दिया गया इस घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पूरी वास्तुतः का सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के पीड़ित रंगनाथ गुप्ता ने जियावान थाने में शिकायत दर्ज कराई है शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि सोमवार देर रात करीब 2 बजे रामाचण बंसोर नामक व्यक्ति लगभग एक दर्जन लोगों के साथ उनके घर पहुंचा और बिना किसी चेतावनी या चर्चा के जेसीबी मशीन से मकान को तोड़ना शुरू कर दिया अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरा

परिवार दहशत में आ गया। पीड़ित ने बताया कि आधी रात को हुई इस घटना के दौरान आरोपियों ने पूरी तरह से मकान को ध्वस्त कर दिया घटना के बाद मालगार को उन्होंने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा जिसमें कथित तौर पर मकान तोड़े जाने की पूरी घटना रिकॉर्ड है पीड़ित परिवार का आरोप है कि शिकायत दर्ज करने के बावजूद अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं मामले को लेकर देवसर एसडीओपी गायत्री मिश्रा ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से जमीन की सीमा को लेकर विवाद चल रहा है इससे पहले ही दोनों पक्षों में कई बार जगड़ें हो चुके हैं।

रीवा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में रील बनाने का मामला, जांच के आदेश



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट कार्यालय के मोहन सभागार में एक युवती द्वारा फोटो खींचकर सोशल मीडिया के लिए रील बनाए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है और प्रभारी कलेक्टर ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। मोहन सभागार वही स्थान है जहां जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठकें और प्रशासनिक चर्चाएं आयोजित की जाती हैं ऐसे संवेदनशील स्थल पर बिना अनुमति किसी बाहरी व्यक्ति के पहुंचने और वहां फोटो व वीडियो सामग्री तैयार किए जाने को गंभीर सुरक्षा चुक माना जा रहा है।

प्रभारी कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश: मामला सामने आते ही प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है। प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि संबंधित युवती मोहन सभागार तक कैसे पहुंची और किन परिस्थितियों में उसने वहां तस्वीरें लीं उन्होंने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि सुरक्षा में चुक कहाँ हुई और इसमें किस स्तर पर लापरवाही हुई है उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी सरकारी कार्यालय या परिसर का निजी उपयोग बिना अनुमति किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

फोटो जोड़कर बनाई गई रील, ‘चंबल की डाकू’ गाना लगाया गया: जानकारी के अनुसार वायरल रील किसी एक वीडियो से नहीं, बल्कि अलग-अलग तस्वीरों को जोड़कर तैयार की गई है युवती ने मोहन सभागार के भीतर ली गई तस्वीरों को क्रमवार जोड़कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया इस रील में बैकग्राउंड में ‘चंबल की डाकू’ नामक गाना लगाया गया, जिसके बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया और विवाद खड़ा हो गया।

सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि आखिर एक आम व्यक्ति को कलेक्ट्रेट के इतने महत्वपूर्ण और प्रतिबंधित माने जाने वाले सभागार तक

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 414 आवेदकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के लिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 414 आवेदकों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं इस दौरान उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित

करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्रार्थमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का

निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए तथा आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर ने विशेष रूप से गंभीर प्रकृति की शिकायतों पर समय-सीमा तय करते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को संवेदनशीलता के साथ देखा जाए और उसका समाधान प्रार्थमिकता के आधार पर किया जाए ताकि आम नागरिकों को रहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान हितग्राहीमूलक योजनाओं से जुड़े शिकायतों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए

कलेक्टर ने कहा कि इससे मामलों की नियमित मॉनिटरिंग संभव होगी और लंबित शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें और किसी भी स्थिति में शिकायतें अनावश्यक रूप से लंबित न रहें बैठक के दौरान कलेक्टर ने कई मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा भी की।

भूसे के बीच छिपा मिला 87 किलो गांजा, रीवा में दो आरोपी गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज



मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। जिले के पनवार थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम खारा के जोरी टोला में छापेमारी कर 87 किलो गांजा बरामद किया है इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार उन्हें मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि शंकर लाल कोल के घर स्थित भूसे वाले मकान में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया है सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान चलाया तलाशी के दौरान पुलिस को भूसे के ढेर के नीचे छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में गांजा मिला जिसका वजन लगभग 87 किलोग्राम बताया जा रहा है पुलिस ने मौके से मादक पदार्थ को जब्त कर सुरक्षित कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जिनकी पहचान शंकर लाल कोल (पिता सोमनाथ कोल) और पुनीत सिंह (पिता राजन सिंह डोडा) के रूप में हुई है दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पनवार थाना प्रभारी प्रवीण उपाध्याय ने बताया कि यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई थी प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थ को काफी सावधानी से भूसे के ढेर में छिपाकर रखा गया था, ताकि पुलिस की नजर से बचा जा सके हालांकि समय रहते कार्रवाई कर पुलिस ने बड़ी मात्रा में नशे के कारोबार को खुलासा कर दिया उन्होंने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है पूछताछ के आधार पर इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि यह गांजा कहाँ से लाया गया था और इसे किस नेटवर्क के जरिए सप्लाई किया जाना था। इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ चल रहे अभियान में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर पूरी सख्ती से निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समाज में नशे के बढ़ते खतरे को रोक जा सके और युवाओं को इस कुपवृत्ति से बचाया जा सके।

सतना में तीन घंटे की बारिश ने खोली स्मार्ट सिटी दावों की पोल, जिला अस्पताल और कॉलेज परिसर में जलभराव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को हुई मानसून की पहली तेज बारिश ने सतना शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी करीब तीन घंटे की बारिश के बाद शहर के कई प्रमुख इलाके जलमग्न हो गए जिला अस्पताल, गर्ल्स कॉलेज, बस स्टैंड और भरहुत नगर सहित कई क्षेत्रों में भारी जलभराव की स्थिति बन गई जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ सबसे अधिक पेशानी जिला अस्पताल परिसर में देखने को मिली, जहां पानी भर जाने से मरीजों और उनके परिजनों को कीचड़ और जलभराव के बीच से गुजरना पड़ा अस्पताल आने-जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा इसी तरह गर्ल्स कॉलेज परिसर और आसपास की सड़कों पर भी

पानी भर गया जिससे छात्राओं को आवाजाही में पेशानी हुई शहर की कई मुख्य सड़कें बारिश के बाद तालाब जैसी नजर आने लगीं भरहुत नगर और बस स्टैंड क्षेत्र में हालात और भी खराब रहे जहां घुटनों तक पानी भर गया कई जगह ई-रिक्शा और छोटे वाहन जलभराव में फंस गए जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमर गई बारिश के दौरान कई स्थानों पर सीवर लाइन के चैंबर फटने की भी खबरें सामने आईं जिससे सड़कों पर गंदा पानी बहने लगा इससे लोगों की पेशानी और बढ़ गई स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर निगम द्वारा मानसून से पहले दावे किए गए थे, लेकिन पहली ही तेज बारिश में व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आ गई।

वित्तीय साक्षरता शिविर में विद्यार्थियों को दी गई बचत, निवेश और साइबर सुरक्षा की जानकारी



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय समावेशन विभाग के अंतर्गत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय टमसर (विकासखंड कुसुमी) के सभागार में 29 जुन 2026 को विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

किया गया इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक, भोपाल से सीधी जिले के अग्रणी जिला अधिकारी अंकुश सिन्हा तथा अग्रणी जिला

प्रबंधक अवध बिहारी चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता के मूलभूत पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी और उन्हें सुरक्षित वित्तीय व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि जीवन में बचत की आदत बेहद

आवश्यक है क्योंकि यह भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की आधारशिला होती है इसके साथ ही उन्होंने बीमा, निवेश और पेंशन योजनाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि सही वित्तीय निर्णय कैसे दीर्घकालीन लाभ प्रदान कर सकते हैं डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के इस दौर में उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन की जानकारी भी दी शिविर में विशेष रूप से साइबर सुरक्षा और साइबर फ्रॉड से बचाव पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि अनजान लिंक, ओटीपी साझा करने, फर्जी कॉल और ऑनलाइन धोखाधड़ी से कैसे बचा जा सकता है उन्होंने

सतर्कता और जागरूकता को डिजिटल युग की सबसे बड़ी सुरक्षा बताया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वित्तीय विषयों पर अपनी समझ का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधियों, अग्रणी जिला प्रबंधक एवं विद्यालय के प्राचार्य रामपाल सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि वित्तीय शिक्षा केवल वयस्कों के लिए ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है,

ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बन सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन, सभी शिक्षकों तथा सीएफएल सीधी के रामगोपाल वर्मा का विशेष सहयोग रहा विद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस तरह के शिविर विद्यार्थियों में आर्थिक समझ विकसित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं शिविर के अंत में यह संदेश दिया गया कि वित्तीय साक्षरता, बचत की आदत और साइबर सुरक्षा की जानकारी आज के समय में हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है, जिससे वे सुरक्षित और सशक्त आर्थिक भविष्य की ओर बढ़ सकें।

बुजुर्गों की सुविधा-सुरक्षा अनुकूल हों डिजिटल सेवाएं

तकनीक दौर में चुनौती यह है कि विकास समावेशी हो। डिजिटल सेवाओं का डिजाइन वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। बैंकिंग व सरकारी एप अधिक सरल हों, बड़े वित्तीय लेनदेन में अतिरिक्त मानवीय सत्यापन की व्यवस्था हो तथा साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

तकनीक ने मानव जीवन की रफ्तार को अभूतपूर्व गति दी है। सुबह की चाय के डिजिटल भुगतान से लेकर हवाई टिकट और बैंकिंग तक, सब कुछ अब एक छोटी-सी स्क्रीन पर सिमट गया है। युवाओं के लिए यह सुविधा और अवसर का नया संसार है,

लेकिन हमारे बुजुर्गों के लिए यही दुनिया कई बार उलझन, असुरक्षा और निर्भरता का कारण बन जाती है। अपनों से जुड़े रहने की खुशी और हर काम के डिजिटल होने की मजबूरी के बीच पुरानी पीढ़ी जिस संघर्ष से गुजर रही है, वह आज की एक बड़ी विडंबना बन गई है।

स्मार्टफोन अब केवल युवाओं का उपकरण नहीं रहा। दादा-दादी वीडियो कॉल पर दूर बैठे अपने पोते-पोतियों को देखकर

भावुक हो उठते हैं। व्हाट्सएप पर परिवार से जुड़े रहना, पुराने मित्रों का खोजना और यूट्यूब पर भजन सुनना उनके अकेलेपन को काफी हद तक कम करता है। लेकिन यही तकनीक कई बार उनके लिए परेशानी का कारण भी बन जाती है। स्क्रीन पर दर्जनों एप, लगातार आने वाले संदेश,

अचानक बदली हुई सेटिंग या किसी जरूरी फाइल के मिट जाने का डर उन्हें हमेशा असहज बनाए रखता है। छोटी-सी तकनीकी चूक भी उनका आत्मविश्वास डगमगा देती है। कई बुजुर्ग इस डर से स्मार्टफोन का सीमित उपयोग करते हैं और हर नए डिजिटल काम के लिए परिवार के किसी सदस्य का

इंतजार करते हैं। उनकी आत्मनिर्भरता भी प्रभावित होती है। सबसे गंभीर चिंता साइबर ठगी का बढ़ता खतरा है। डिजिटल दुनिया की सीमित समझ का फायदा उठाकर अपराधी बुजुर्गों को सबसे आसान निशाना बना रहे हैं। फर्जी बैंक अधिकारी, पुलिसकर्मी या सरकारी कर्मचारी बनकर फोन करना अब आम बात हो गई है। ‘डिजिटल अरेस्ट’ जैसे नए साइबर अपराधों में ठग वीडियो कॉल के जरिए कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर वरिष्ठ नागरिकों से

लाखों-करोड़ों रुपये ठग लेते हैं। केवाईसी अपडेट, पेंशन बंद होने या बैंक खाते के सत्यापन के नाम पर ओटीपी और बैंक विवरण हासिल कर जीवनभर की जमा-पूजी साफ कर दी जाती है। आर्थिक नुकसान उन्हें गहरा मानसिक आघात भी पहुंचाता है, जिससे कई बुजुर्ग अवसाद और असुरक्षा के शिकार हो जाते हैं। कई मामलों में ठगी के बाद वे खुद को दोषी मानने लगते हैं, परिवार के सामने अपनी बात रखने से हिचकिचाते हैं।

मर्यादा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

‘राम’ भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मर्यादा का पर्याय है। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पढ़ने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में मोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है। कबीर ने लिखा था कि, ‘राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।’ उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पवित्र का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं ‘राम’ साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियाँ या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतियुक्त बड़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मर्यादा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मर्यादा को त्यागकर प्रलिखन बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। दाम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है। समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएं प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वह प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्याथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है। राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पुजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मर्यादा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मर्यादा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा।

ललित गर्ग

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्ण तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दर्श झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल



जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलूर, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निश्चित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता

की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक टिवन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों

डॉक्टर डे : सेवा से व्यवसाय तक चिकित्सा का बदलता चेहरा

हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में डॉक्टर डे मनाया जाता है। यह दिवस महान चिकित्सक, शिक्षाविद् और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. विधान चंद्र राय की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने चिकित्सा को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम माना। किंतु आज जब चिकित्सा क्षेत्र तीव्र गति से व्यावसायीकरण की ओर बढ़ रहा है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चिकित्सा अभी भी सेवा है या वह लाभ कमाने का उद्योग बनती जा रही है?

डॉक्टर डे केवल चिकित्सकों का सम्मान करने का अवसर नहीं है, बल्कि चिकित्सा व्यवस्था के आत्ममंथन का भी दिन है। यह दिन हमें उन चिकित्सकों को याद करने की प्रेरणा देता है जिन्होंने मानवता को सर्वोपरि रखा और उन चुनौतियों पर विचार करने का अवसर भी देता है जिनके कारण चिकित्सा का मानवीय चेहरा धुंधला पड़ता जा रहा है।

भारतीय संस्कृति में वैद्य को भगवान के समान माना गया है। प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने चिकित्सा का उद्देश्य रोगी को स्वस्थ करना और उसके जीवन की रक्षा करना बताया। चरक और सुश्रुत जैसे महर्षियों ने चिकित्सक के लिए करुणा, संयम, नैतिकता और सेवा को अनिवार्य गुण माना। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने तकनीकी प्रगति अवश्य की है, परंतु उसके साथ चिकित्सा का स्वरूप भी तेजी से बदला है। आज बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल अल्ट्राधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। आधुनिक मशीनें, रोबोटिक सर्जरी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान और उन्नत उपचार ने चिकित्सा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। लेकिन इसी के साथ उपचार की लागत भी लगातार बढ़ी है। अनेक परिवार गंभीर बीमारी के कारण आर्थिक संकट में फंस जाते हैं। कई बार यह आरोप भी लगता है कि अनावश्यक जांच, महंगी दवाइयां और गैर-जरूरी प्रक्रियाएं केवल आर्थिक लाभ के लिए कराई जाती हैं। चिकित्सा के इस व्यावसायिक स्वल्प ने डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास के रिस्ते को प्रभावित किया है। पहले चिकित्सक परिवार का अभिन्न हिस्सा माने जाते थे। आज अनेक स्थानों पर मरीज डॉक्टर को संदेह की दृष्टि से देखने लगा है। यह स्थिति चिकित्सा व्यवस्था और समाज, दोनों के लिए



चिंता का विषय है। हालांकि पूरी चिकित्सा व्यवस्था को एक ही दृष्टि से देखना न्यायसंगत नहीं होगा। हजारों ऐसे चिकित्सक हैं जो आज भी सीमित संसाधनों में ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और दूर-दराज के गांवों में निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी मरीजों की जान बचाने के लिए दिन-रात समर्पित रहते हैं। महामारी, प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में इन्होंने चिकित्सकों ने अपने परिवार से अधिक समाज की प्रथमिकता दी है। हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी ने दुनिया को यह सिखाया कि डॉक्टर केवल पेशेवर नहीं, बल्कि संकट के समय मानवता के सबसे बड़े रक्षक होते हैं। जब पूरा समाज घरों में सुरक्षित था,

तब डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी अस्पतालों में जीवन बचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे थे। अनेक चिकित्सकों ने स्वयं संक्रमित होकर अपने प्राण तक गंवा दिए। यह त्याग चिकित्सा के वास्तविक स्वरूप का परिचायक है। चिकित्सा के बढ़ते व्यवसायीकरण के पीछे केवल डॉक्टर ही जिम्मेदार नहीं हैं। महंगी चिकित्सा शिक्षा, निजी अस्पतालों की आर्थिक संरचना, दवा उद्योग का दबाव, चिकित्सा उपकरणों की ऊंची कीमत, बीमा प्रणाली की जटिलताएं तथा बढ़ती कानूनी चुनौतियां भी इस स्थिति के महत्वपूर्ण कारण हैं। निजी मेडिकल शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करने वाले अनेक युवा चिकित्सकों पर आर्थिक दबाव रहता है। ऐसे में चिकित्सा सेवा और आर्थिक

अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाता है। दूसरी ओर मरीजों की अपेक्षाएं भी पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं। हर स्थिति में शत-प्रतिशत सफलता की उम्मीद की जाती है, जबकि चिकित्सा विज्ञान संभावनाओं पर आधारित है, पूर्ण निश्चिन्ता पर नहीं। उपचार असफल होने पर कई बार चिकित्सकों पर हिंसा तक हो जाती है। ऐसी घटनाएं चिकित्सा सेवा के वातावरण को प्रभावित करती हैं और डॉक्टरों के मनोबल को भी कमजोर करती हैं। समाधान केवल चिकित्सकों की आलोचना में नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक मानवीय और पारदर्शी बनाने में है। सरकार को सार्वजनिक अस्पतालों से नहीं होगा, बल्कि ऐसे सेवाभावी ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। चिकित्सा शिक्षा को अधिक सुलभ और किफायती बनाना भी आवश्यक है। साथ ही चिकित्सा संस्थानों में नैतिक मूल्यों और संवाद कौशल को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। डॉक्टरों को भी यह स्मरण रखना होगा कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि रोगी के मन में विश्वास और आशा का संचार करना है। एक मधुर व्यवहार, सहानुभूतिपूर्ण संवाद और ईमानदार परामर्श कई बार महंगी दवा से अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह सेवाभावी चिकित्सकों का सम्मान करे। प्रत्येक डॉक्टर को केवल कुछ नकारात्मक घटनाओं के आधार पर नहीं परखा जाना चाहिए।

आज भी अनेक चिकित्सक निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाते हैं, गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज करते हैं और मानवता की सेवा को अपना धर्म मानते हैं। ऐसे चिकित्सकों के कारण ही चिकित्सा पेशे की गरिमा बनी हुई है।

डॉक्टर डे का वास्तविक संदेश यही है कि चिकित्सा विज्ञान और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलें। तकनीक आवश्यक है, लेकिन करुणा उससे भी अधिक आवश्यक है। अस्पताल आधुनिक हों, पर उनमें मानवता का स्पर्श बना रहे। डॉक्टर कुशल हैं, लेकिन साथ ही संवेदनशील भी हों। भारत जैसे विशाल देश में स्वस्थ समाज का निर्माण केवल आधुनिक अस्पतालों से नहीं होगा, बल्कि ऐसे सेवाभावी चिकित्सकों से होगा जो मरीज में केवल एक केस नहीं, बल्कि एक इंसान देखें। चिकित्सा यदि सेवा का भावना से जुड़ी रहेगी तो डॉक्टर का स्थान समाज में सदैव ईश्वर के बाद ही रहेगा। डॉक्टर डे हमें यही याद दिलाता है कि चिकित्सा का सर्वोच्च आदर्श धन अर्जित करना नहीं, बल्कि जीवन बचाना है। सेवा, करुणा, ईमानदारी और मानवीय संवेदना—यही वे मूल्य हैं जो चिकित्सा को व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सबसे पवित्र साधना बनाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि चिकित्सा जगत और समाज मिलकर विश्वास, नैतिकता और सेवा की उस परंपरा को पुनर्जीवित करें, जिसने सदियों से चिकित्सक को धरती का भगवान कहलाने का सम्मान दिलाया है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, रोजगार, शिक्षा, आदिवासी कल्याण और विकास योजनाओं में तेजी लाने पर जोर



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर ने जिला स्तरीय समय-सीमा (टीएल) बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में रोजगार सृजन, शिक्षा, आदिवासी कल्याण, श्रमिक हित, सांख्यिकी, प्रशासनिक अनुशासन तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक के दौरान कलेक्टर ने अंतरव्यवसाय विभाग को निर्देशित किया कि जिले के तीनों विकासखंडों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई)

के माध्यम से रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को गति दी जाए उन्होंने सिलाई, पोल्ट्री फार्म, बकरी पालन, मैकेनिक सहित अन्य स्वरोजगार आधारित ट्रेडों के डेमो कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़ने तथा नए बैचों के लिए शीघ्र पंजीयन प्रारंभ करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल औपचारिकता न बनें बल्कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनें आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले के सभी आश्रमों और छात्रावासों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को

गुणवत्तापूर्ण आवास, भोजन, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने पोड़ीडीह में संचालित होने वाले एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लिए जिला स्तरीय काउंसिलिंग शीघ्र आयोजित करने के निर्देश भी दिए ताकि पात्र विद्यार्थियों का समय पर चयन सुनिश्चित किया जा सके। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, पाठ्यपुस्तकों के वितरण, शैक्षणिक गतिविधियों की स्कैनिंग, मध्यान्ह भोजन योजना तथा यूनिफॉर्म वितरण की प्रगति की जानकारी उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में किसी भी विद्यार्थी को पुस्तक, गणवेश या मध्यान्ह भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रखा जाए स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ शासन की सभी योजनाओं का समय पर लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए श्रम विभाग को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि श्रम कार्ड, निर्माण श्रमिक पंजीयन

तथा श्रमिक कल्याण योजनाओं की अद्यतन जानकारी तैयार रखी जाए साथ ही जिले में संगठित एवं असंगठित श्रमिकों का विस्तृत और अद्यतन डाटा उपलब्ध कराया जाए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके जिला सांख्यिकी विभाग को सभी विभागों से समय पर जानकारी संकलित कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि विकास योजनाओं की सही मॉनिटरिंग और नीति निर्धारण के लिए सटीक एवं समयबद्ध आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं किसी भी प्रकार की देरी या त्रुटि प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करती है। बैठक में प्रशासनिक अनुशासन पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना सक्षम स्वीकृति के कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

कलेक्टर ने जिले में अवैध भंडारण, जमाखोरी एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाने के निर्देश भी दिए उन्होंने संबंधित विभागों से कहा कि नियमित निरीक्षण कर दौपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विधानसभा से प्राप्त प्रश्नों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय-सीमा में तथ्यात्मक, सटीक एवं पूर्ण जानकारी के साथ प्रस्तुत किए जाएं उन्होंने कहा कि विधानसभा संबंधी मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी विभागों को अपनी-अपनी वार्षिक कार्ययोजना तैयार कर विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने लक्ष्यों का निर्धारण कर समयबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के शासकीय होम साइंस कॉलेज (लीड कॉलेज) की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के सेवानिवृत्त होने से ठीक एक दिन पहले उनके खिलाफ वित्तीय अनियमितता के मामले में एफआईआर दर्ज होने से शिक्षा जगत में हलचल मच गई पुलिस ने प्राचार्य डॉ. जैन भंडार शाखा प्रभारी, लेखा शाखा प्रभारी तथा भोपाल स्थित मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेस के विरुद्ध सरकारी राशि के कथित गबन और हेराफेरी का मामला दर्ज किया है। मामला खेल सामग्री की खरीदी और भुगतान से जुड़ा है आरोप है कि कॉलेज में खेल सामग्री की आपूर्ति होने से पहले ही संबंधित फर्म को 9 लाख 28 हजार 568 रुपए का भुगतान कर दिया गया यह मामला सामने आने के बाद क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने जांच की मांग की थी। कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार सरिता मालवीय द्वारा की गई जांच में प्रथम दृष्ट्या

वित्तीय अनियमितताएं पाए जाने के बाद कोतवाली पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। जांच के दौरान प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत स्टॉक पंजी में 24 जून 2026 की तारीख में मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेस के बिल के आधार पर 6 लाख 48 हजार 860 रुपए की खेल सामग्री की प्रविष्टि दर्ज मिली। वहीं आईएफएमएस पोर्टल और एमपी ट्रेजरी के रिकॉर्ड से पता चला कि होम साइंस कॉलेज और शासकीय महाविद्यालय डोलरिया के लिए कुल 9.28 लाख रुपए का भुगतान पहले ही जारी किया जा चुका था डोलरिया कॉलेज के लिए भी लगभग 2 लाख रुपए की सामग्री का भुगतान दर्ज मिला। जांच अधिकारियों ने स्टॉक पंजी और संबंधित अभिलेख जवाब कर लिए हैं भौतिक सत्यापन के दौरान खेल सामग्री कॉलेज में उपलब्ध पाई गई लेकिन जांच का मुखा बंदु सामग्री को वास्तविक आपूर्ति से

पहले भुगतान और स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि किए जाने को माना गया है इस पूरे मामले की शुरुआत 25 जून को हुई जब विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा कॉलेज पहुंचे निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने उन्हें बताया कि खेल सामग्री अभी तक नहीं पहुंची है दस्तावेजों की जांच में विधायक को सामग्री आने से पहले ही स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि और भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी मिली जिसके बाद उन्होंने कलेक्टर से विस्तृत जांच कराने की मांग की। कोतवाली थाना प्रभारी गौरव बुंदेला ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ शासकीय राशि के दुरुपयोग और हेराफेरी से संबंधित प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है उल्लेखनीय है कि डॉ. कामिनी जैन मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रही हैं पूरे सेवाकाल में उनकी छवि बेदगम मानी जाती रही है। हालांकि एफआईआर दर्ज होने के बाद अब उनके पेंशन, ग्रेच्युटी तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभों की प्रक्रिया पर भी प्रभाव पड़ सकता है दूसरी ओर डॉ. जैन पहले यह स्पष्ट कर चुकी हैं कि अवकाश और प्रशासनिक प्रक्रिया को देखते हुए भुगतान संबंधी कार्यवाही पहले की गई थी ताकि शासकीय कार्य प्रभावित न हों मामले की विस्तृत जांच जारी है।

शिवपुरी में पानी का टैंकर मकान पर पलटा, दीवार गिरने से 80 वर्षीय महिला घायल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र स्थित सईसपुरा में मंगलवार को एक बड़ा हादसा उस समय हो गया जब पानी से भरा एक टैंकर-टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मकान पर पलट गया हादसे में मकान की दीवार ढह गई जिसकी चपेट में आने से 80 वर्षीय अकबरी बाई घायल हो गई उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टैंकर चालक पानी से भरा टैंकर लेकर सईसपुरा क्षेत्र से गुजर रहा था इसी दौरान सड़क पर पड़ी रेत और ईटों पर टैंकर का पहिया चढ़ गया

जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका संतुलन बिगड़ने के कारण टैंकर टैंकर सड़क किनारे बने एक मकान पर पलट गया। टैंकर की टक्कर से मकान की एक दीवार भस्मभरकर गिर गई उस समय घर के अंदर मौजूद अकबरी बाई दीवार के मलबे की चपेट में आ गई और घायल हो गई हादसे के समय परिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे लेकिन वे सुरक्षित बच गए इससे एक बड़ा हादसा टल गया घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया स्थानीय नागरिकों ने मलबा हटाकर घायल महिला को बाहर निकाला और तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया।

जल जीवन मिशन से बदली लीलावती की जिंदगी, घर-घर नल से जल ने आसान बनाया ग्रामीण जीवन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत घाघरा के ग्राम लावाहोरी की निवासी लीलावती की कहानी इस बदलाव की प्रेरणादायक मिसाल बनकर सामने आई है। घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से न केवल उनकी दिनचर्या आसान हुई है बल्कि परिवार के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। लीलावती बताती

हैं कि जल जीवन मिशन से पहले उन्हीं प्रतिदिन पौने और घरेलू उपयोग के लिए पानी लाने के लिए काफी दूर स्थित कुओं और हैंडपंपों तक जाना पड़ता था पानी लाने में उनका कई घंटे का समय और भारी शारीरिक श्रम लगता था इसके कारण घर के अन्य कार्यों के साथ परिवार की देखभाल भी प्रभावित होती थी गर्मी और बारिश के मौसम में यह परेशानी और अधिक बढ़ जाती थी। 'हर घर नल से जल' अभियान के तहत उनके घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई अब उन्हें घर बैठे स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल



उपलब्ध हो रहा है इससे पानी लाने की परेशानी समाप्त हो गई है और समय व श्रम दोनों की बचत हो रही है बचा हुआ समय अब वह परिवार की देखभाल और अन्य आवश्यक कार्यों में लगा पा रही हैं। लीलावती के अनुसार, स्वच्छ पेयजल की नियमित

उपलब्धता से परिवार के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है पहले दूषित पानी के कारण होने वाली बीमारियों की चिंता बनी रहती थी लेकिन अब जलजनित्र रोगों का खतरा काफी कम हो गया है इससे परिवार का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और जीवन अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक बन गया है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रणामंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'यह योजना केवल पानी की सुविधा नहीं, बल्कि हमारे गांव और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य को मजबूत नांव है।

हरित मनेन्द्रगढ़ अभियान को मिला जवानों का साथ, 1000 पौधे लगाने का लिया संकल्प



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 18वीं विशेष भारत रक्षित वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, चैनपुर-मनेन्द्रगढ़ द्वारा दो दिवसीय वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। 29 एवं 30 जून को आयोजित इस अभियान में वाहिनी के जवानों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 'हरित मनेन्द्रगढ़' अभियान के तहत लगभग 1000 पौधों के रोपण का संकल्प लिया कार्यक्रम का आयोजन तेजस्वी महिला मंडल,

मारवाड़ी युवा संघ और ग्रीन वैली फाउंडेशन के सहयोग से किया गया अभियान के दौरान पर्यावरण संरक्षण के साथ जल संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया। जवानों ने जल संवर्धन के लिए निर्मित स्टॉप डैम और तालाबों के आसपास फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया आयोजकों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है बल्कि क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने, भूजल स्तर को संरक्षित करने और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत बनाना भी है।

नर्मदापुरम में रिमझिम बारिश से गर्मी से राहत, 3-4 जुलाई को भारी वर्षा का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में मंगलवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और रिमझिम बारिश शुरू होने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली सुबह से तेज धूप और उमस के कारण लोग परेशान थे लेकिन दोपहर करीब 1:15 बजे बादल छाने के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई मौसम विभाग ने आगामी दिनों में जिले में मानसून के और अधिक सक्रिय होने का अनुमान जताया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर-मध्य मध्यप्रदेश से अरब सागर तक बनी ट्रफ लाइन तथा नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से नर्मदापुरम सहित आसपास के क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी 30 जून को जिले में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ 40 से 50

किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है मौसम विभाग का कहना है कि 1 जुलाई से बारिश की रफ्तार बढ़ेगी जबकि 3 और 4 जुलाई को भारी से अति भारी वर्षा के साथ वज्रपात की आशंका है 2 से 9 जुलाई के बीच जिले में व्यापक और अच्छी बारिश होने की संभावना आई गई है इसके बाद 9 से 16 जुलाई तक भी मानसून सक्रिय रहेगा हालांकि जुलाई के अंतिम सप्ताह में वर्षा सामान्य से कुछ कम रह सकती है। सोमवार को नर्मदापुरम का अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री रहा वहीं पचमढ़ी में अधिकतम तापमान 32.8 और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नर्मदापुरम कांग्रेस ने गठित की 5 सदस्यीय अनुशासन समिति, धर्मेन्द्र मालवीय बने अध्यक्ष



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। संगठन में अनुशासन और संगठनात्मक मर्यादा को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमिटी नर्मदापुरम ने पांच सदस्यीय जिला अनुशासन समिति का गठन किया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय (गुड्डन) ने समिति की घोषणा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पार्टी विरोधी गतिविधियों पर प्रभावी निरोध रखना और अनुशासनहीनता के

मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है जारी सूची के अनुसार इटारसी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता धर्मेन्द्र मालवीय को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है उनके नेतृत्व में गठित समिति में जिले के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है नर्मदापुरम से जीजी जोसफ, पिपरिया से एडवोकेट धर्मेन्द्र नागवंशी, सिवनी मालवा के शिवपुर से मनीष देवड़ा तथा

सोहागपुर से एडवोकेट मंगल सिंह रघुवंशी को सदस्य बनाया गया है। जिला अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय ने बताया कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण आधार है समिति पार्टी के भीतर गुटबाजी, अनुशासनहीनता, संगठन विरोधी गतिविधियों तथा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से जुड़ी शिकायतों को सुनवाई करेगी आवश्यक होने पर समिति जांच कर अपनी रिपोर्ट जिला नेतृत्व को सौंपेगी जिसके आधार पर संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी उन्होंने बताया कि समिति के गठन का प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमिटी के संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले को अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है।



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों तथा उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में जिला स्तरीय निरीक्षण समिति ने सोमवार को उप जेल मनेन्द्रगढ़ का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण का नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष योगेश पारिक

ने किया इस दौरान बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, विधिक सहायता, स्वच्छता व्यवस्था तथा जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली का विस्तृत निरीक्षण किया गया निरीक्षण दल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अमृता दिनेश मिश्रा, एडिशनल कलेक्टर अनिल सिदार, एडिशनल पुलिस

अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक सहित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे समिति ने जेल परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त की निरीक्षण के दौरान समिति ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया कि सभी बंदियों को समय पर और नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है साथ ही इस बात की भी पुष्टि की गई कि जेल में किसी भी बंदी के साथ जाति, धर्म, वर्ग अथवा किसी अन्य आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है समिति ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक बंदी को संविधान और कानून द्वारा

प्रदत्त अधिकार समान रूप से मिलना चाहिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश पारिक ने जेल में संचालित लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण किया उन्होंने वहां उपलब्ध विधिक सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन बंदियों को कानूनी सहायता की आवश्यकता है उन्हें समय पर अथिक्ता उपलब्ध कराए जाएं तथा न्यायालयीन प्रक्रियाओं की जानकारी भी नियमित रूप से दी जाए उन्होंने कहा कि आर्थिक या सामाजिक स्थिति के कारण कोई भी बंदी न्याय पत्र के अधिकार से वंचित नहीं रहना चाहिए समिति ने जेल में उपलब्ध बिस्तरों, बैरकों की स्थिति, शौचालयों की स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, भोजन की

गुणवत्ता, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बंदियों के रहने की परिस्थितियां मानवीय गरिमा के अनुरूप बनी रहें तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण किया जाए निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जेल सुधार केवल प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है बल्कि बंदियों के अधिकारों की रक्षा, पुनर्वास और न्याय तक उनकी सहज पहुंच सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पेट्रोल पंप से सटी चाय-नाश्ता दुकान में लगी आग, गैस सिलेंडर में लीकेज से आग लगने का संदेह, फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के देवरी थाना क्षेत्र में स्थित राजौला पेट्रोल पंप के पास बनी चाय-नाश्ता की दुकान में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठती देख पेट्रोल पंप पर मौजूद कर्मचारियों में हड़कप मच गया। तत्काल पुलिस और फायर फाइटर को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। दरअसल, राजौला पेट्रोल पंप से सटकर खुशी चाय-नाश्ता की दुकान है। सोमवार रात दुकानदार रोजाना की तरह दुकान बंद करके घर गया था। देर रात अज्ञात कारणों के चलते दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। आग की लपटें उठती देख पंप पर मौजूद कर्मचारियों ने पंप संचालक राजू साहू को सूचना दी। उन्होंने पुलिस और फायर फाइटर को घटनाक्रम की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर फाइटर मौके पर पहुंची। आग बुझाने की मशक्कत शुरू की। करीब 20 मिनट की मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया गया। आगजनी में दुकान में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण गैस सिलेंडर में लीकेज होना माना जा रहा है। हालांकि देवरी पुलिस आगजनी का पंचनामा बनाकर आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

खरगोन में 45 मिनट बारिश, कई इलाकों में जलभराव, दूसरे दिन भी मेहरबान मानसून, पहाड़ी क्षेत्रों के नाले-नदियों में उफान आया



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में लगातार दूसरे दिन सोमवार को तेज बारिश हुई। शहर में दोपहर में 45 मिनट के भीतर 18.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जिससे कई इलाकों में पानी भर गया। कसरवाद क्षेत्र में भी शाम 4 बजे गरज-चमक के साथ 35 मिनट तक तेज पानी बरसा। इसके बाद भी हल्की बारिश जारी रही। बादलों की घटा छाने से दिन में ही अंधरा छग गया। वाहन चालकों को हेडलाइट जालना पड़े। खेतों और सड़कों पर कई जगह पानी भरने से आवाजाही में परेशानी हुई। किसान अपना काम छोड़कर खेतों से घर लौट आए। इससे पहले सोमवार को बरुड के पहाड़ी क्षेत्र में हुई जोरदार बारिश के कारण मोहिनी नदी और बुधिया नाले में बाढ़ आ गई थी।

तीन-चार दिनों का अलर्ट जारी: मौसम विभाग ने अगले तीन-चार दिनों तक जिले में जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया है। रिमझिम बारिश से वातावरण में ठंडक बनी हुई है। सोमवार को तेज गर्मी के साथ उमस हुई। अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि रविवार 30.8 डिग्री दर्ज हुआ था।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत एनसीटीई (NCTE) पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब तक 99,597 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें से 78,784 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। द्वितीय चरण में 21,242 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 19,166 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। सत्यापन उपरांत 18,563 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में सीट आवंटित की गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रथम चरण में 16,856 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान किया जा चुका है। इस प्रकार प्रथम एवं द्वितीय चरण को मिलाकर अब तक कुल 35,419 विद्यार्थियों को एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीट आवंटित की जा चुकी है। द्वितीय चरण में सीट आवंटित विद्यार्थियों को 29 जून से 4 जुलाई 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना होगा। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित प्रवेश प्रक्रिया में अब तक स्नातक पाठ्यक्रमों में लगभग 2 लाख तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग 60 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है। इस प्रकार विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अब तक लगभग 2 लाख 78 हजार विद्यार्थी प्रवेश प्राप्त कर चुके हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने द्वितीय चरण में सीट आवंटित सभी विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर शुल्क जमा कर संबंधित महाविद्यालय में आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए प्रवेश सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध एवं सुव्यवस्था रूप से संपन्न कराना सुनिश्चित करें।



कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 65 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेड-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

सीहोर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन आंदोलन

अभियान के अंतर्गत 2555 चेक डैम, 24,130 रनिंग मीटर कंटूर ट्रेंच सहित अनेक संरचनाओं का हुआ निर्माण

● जल संरक्षण में सीहोर की

बड़ी उपलब्धि, जल गंगा

संवर्धन अभियान में लक्ष्य

से बढ़कर हुए कार्य

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर के साथ सीहोर जिले में 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के मार्गदर्शन में जिले में यह कार्य बड़े स्तर पर किए गए। इसके साथ ही सीमित नहीं रहा, बल्कि जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से जन आंदोलन का रूप ले गया। अभियान के दौरान जल एवं जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन तथा जन-जागरूकता के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए गए।

अभियान के अंतर्गत जिले में चेक डैम निर्माण, तालाब निर्माण एवं गहरीकरण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता परीक्षण, पोषरोपण, पाइपलाइन सुधार, प्याऊ



स्थापना तथा जल स्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य बड़े स्तर पर किए गए। इसके साथ ही जल चौपाल, जागरूकता रैली, वृक्ष पूजन, जल स्रोत पूजन, प्रभात फेरी, कलश यात्रा एवं अन्य जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से आमजन, युवाओं एवं विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 260 विद्यालयों में पानी की टंकियों की सफाई का कार्य पूरा किया गया। वन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता परीक्षण, शत-प्रतिशत पूरा करते हुए 2555 चेक

डैम, 10 तालाब निर्माण, 17 सौसर निर्माण, 4 तालाब गहरीकरण तथा 24,130 रनिंग मीटर कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 72 पोषण वाटिकाएं तथा 72 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण किए गए। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग ने 10 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य तथा 975 पौधों का रोपण कर निर्धारित लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 78 जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 12 रूप वाटर हार्वेस्टिंग कार्य भी पूर्ण किए गए। लोक

खंडवा में दो गांवों में गिरी बिजली, दो की मौत

खेत में काम कर रहे और घर के बाहर खड़े व्यक्ति को चपेट में लिया

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में सोमवार को बारिश के दौरान आकाशीय बिजली ने कहर बरपा दिया। मृदी क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मृदी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक ही दिन में हुई इन दोनों घटनाओं से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खेत में काम करते समय किसान पर गिरी बिजली: पहली घटना शाम करीब 4 बजे ग्राम देवला माफी में हुई। यहां 42 वर्षीय किसान रघुवीर पिता छननलाल अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे थे।

इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली



उनके ऊपर गिर गई। हादसे में वे गंभीर रूप से झूलस गए। घटना के बाद ग्रामीण तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मृदी लेकर पहुंचे, लेकिन जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घर के बाहर खड़े व्यक्ति

की भी गई जान: दूसरी घटना शाम करीब 7 बजे ग्राम भगवानपुरा में हुई। यहां 45 वर्षीय ओमप्रकाश पिता श्रीराम सेन अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान वे आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। परिजन और ग्रामीण उन्हें भी तत्काल मृदी

अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। ओमप्रकाश के शव का पोस्टमार्टम मंगलवार सुबह किया जाएगा।

दो गांवों में पसरा मातम:

ग्रामीणों के अनुसार, दोनों मृतक अपने-अपने परिवार के मुखिया थे और अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। एक ही दिन में दो लोगों की मौत से देवला माफी और भगवानपुरा गांव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने शुरू की जांच: घटना की सूचना मिलते ही मृदी पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

सागर PWD में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, इंजीनियर पर मनमानी और अनियमित निर्माण कार्यों का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी (PWD) विभाग एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है। सागर संभाग में पदस्थ और वर्तमान में छतरपुर में प्रभार संभाल रहे इंजीनियर आशीष भारती पर विकास कार्यों में अनदेखी, अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय स्तर पर लगातार शिकायतें सामने आने के बाद मामला चर्चा में है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स और जनप्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार, इंजीनियर आशीष भारती पर यह आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान कई निर्माण कार्यों में मानकों की अनदेखी की गई, जिससे सड़कें और अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं कुछ

ही समय में खराब हो गईं। आरोप यह भी है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता कर ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया गया।

अमानक निर्माण और सड़कों की खराब स्थिति के आरोप: बुंदेलखंड क्षेत्र में बनी कई सड़कों को लेकर यह दावा किया जा रहा है कि वे निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं बनाई गई जिसके कारण वे जल्द ही जर्जर हो गईं। आरोपों के अनुसार, इन कार्यों की निगरानी में गंभीर लापरवाही बरती गई और निरीक्षण व्यवस्था कमजोर रही।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिससे जनता के पैसों का दुरुपयोग हुआ। हालांकि विभागीय स्तर पर इन आरोपों पर अभी तक कोई स्पष्ट आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

निविदा और रॉयल्टी प्रक्रिया पर सवाल: आरोपों में यह भी कहा जा रहा है कि विभागीय निविदा प्रक्रियाओं में गड़बड़ी की गई और कुछ चहेते ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। साथ ही रॉयल्टी से संबंधित फाइलों में भी अनियमितताओं की बात कही जा रही है जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया है।

प्रशासनिक व्यवस्था और निगरानी पर सवाल: स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि संबंधित अधिकारी इतने प्रभावशाली हैं कि उन पर कार्रवाई करने से अन्य अधिकारी भी बचते नजर आते हैं। आरोपों के अनुसार, शिकायतों के बावजूद कई मामलों में कार्रवाई केवल स्थानांतरण या अटैचमेंट तक सीमित रही, जिससे भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो सका।

मंदसौर में फॉल्ट सुधारते समय करंट से झुलसा बिजलीकर्मी खंभे से गिरा, 12 फीट ऊंचाई से गिरने पर सिर में टांके लगे

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के भागवत नगर क्षेत्र में सोमवार दोपहर बिजली सुधार कार्य के दौरान एक बिजली कर्मचारी को करंट लग गया। करंट लगने से वह 12 फीट ऊंचे बिजली के खंभे से नीचे गिर गया। हादसे में कर्मचारी के सिर और हाथ में चोटें आई हैं। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, भागवत नगर में बिजली बंद होने की शिकायत मिली थी। इसे ठीक करने के लिए बिजली विभाग के कर्मचारी दीपक मालवीय अपने सहकर्मियों शंकरलाल और पीयूष माली के साथ मौके पर पहुंचे।

दीपक खंभे पर चढ़कर फॉल्ट ठीक कर रहे थे, तभी एक बिजली वाले तार से करंट उनकी उंगली से छू गई। उन्हें तेज झटका लगा और वे



खंभे से नीचे गिर गए।

सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं: गिरने से दीपक के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। उनके सिर में तीन टांके लगाए गए हैं। हादसे में शंकरलाल और पीयूष माली ने उन्हें तत्काल संभाला और जिला

अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सहकमी शंकरलाल ने बताया कि वे भी मौके पर मौजूद थे। एक तरफ के तार में करंट प्रवाहित था, जिसकी चोट में दीपक की उंगली आ गई। करंट लगने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वे खंभे से

नीचे गिर गए।

डॉक्टर बोले- फिलहाल खतरे के बाहर

घटना की सूचना मिलते ही कार्यपालन यंत्री दीपक बादिल जिला अस्पताल पहुंचे और घायल कर्मचारी का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि प्यूज कॉल अटेंड करने के दौरान कर्मचारी को करंट लगने की सूचना मिली थी। डॉक्टरों के अनुसार, कर्मचारी फिलहाल खतरे से बाहर है।

कार्यपालन यंत्री ने यह भी बताया कि मौके पर अन्य कर्मचारी मौजूद थे और सुरक्षा उपकरणों का उपयोग किया गया था। प्रारंभिक जांचकारों के अनुसार, काम के दौरान तार के संपर्क में आने से करंट लगा और संतुलन बिगड़ने से कर्मचारी नीचे गिर गए। इस पूरे मामले की विभागीय जांच कराई जा रही है।

भाई को ट्रेन में बैठकर लौट रही महिला की मौत,

घोड़ाडोंगरी-रानीपुर जोड़ पर ट्रक ने मारी

टक्कर, पति होमगार्ड में सैनिक



मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल में एक सड़क हादसे में सरकारी हॉस्टल की रसोइया प्रमिला धुर्वे (35) की मौत हो गई। वह अपने भाई को घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में बैठकर स्कूटी से घर लौट रही थीं। उनके पति राजू परते होमगार्ड सैनिक हैं। पुलिस के अनुसार, शोभापुर निवासी प्रमिला धुर्वे सोमवार रात को अपने भाई को घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन छोड़ने गई थीं। भाई के छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से भोपाल रवाना होने के बाद, स्टेशन से लौटते समय घोड़ाडोंगरी-रानीपुर जोड़ पर उनकी स्कूटी को एक ट्रक (क्रमांक MH-40-CM-4786) ने टक्कर मार दी। इस टक्कर से प्रमिला धुर्वे की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

गैस रिसाव से लगी आग में तीन सगी बहनें झुलसीं

छतरपुर में मकान और गृहस्थी का सामान राख,परिवार को तीन लाख का नुकसान

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के चंदला थाना क्षेत्र के ग्राम बरुआ में सोमवार सुबह गैस सिलेंडर में रिसाव से आग लग गई। इस हादसे में खाना बना रही तीन सगी बहनें गंभीर रूप से झुलस गईं। आग से पूरा मकान और उसमें रखा गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बरुआ निवासी मूलचंद रजक की बेटियां वंदना रजक, रोशनी रजक और उमाकांति रजक रसोई में खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस सिलेंडर से अचानक रिसाव शुरू हो गया। चूल्हे की लिंगारी से गैस ने आग पकड़ ली, जिससे तीनों बहनें आग की चपेट में आ गईं।

हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने तीनों झुलसी हुई बहनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार जारी है।

मकान पूरी तरह जलकर



नष्ट हो गया: अग्निकांड में मूलचंद रजक का मकान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और अन्य घरेलू सामान भी आग की भेंट चढ़ गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस घटना में परिवार को करीब ढाई से तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना के दौरान घर में मौजूद छोटे बच्चों को

स्थानीय लोगों और परिजनों ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। पीड़ित मूलचंद रजक ने शासन और जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजे की मांग की, ताकि परिवार को हुए नुकसान की भरपाई हो सके और वे अपना जीवन फिर से शुरू कर सकें।

कोयला से लदा ट्रक पलटने से लगी आग

सजहार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटा,

चालक ने कूदकर जान बचाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली के जियावन थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-39 (NH-39) पर सजहार मोड़ के पास सोमवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। विन्ध्यनगर से



मेहर की ओर जा रहा कोयला लदा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में भीषण आग लग गई, जिससे पूरा वाहन जलकर खाक हो गया। ट्रक चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना की सूचना मिलते ही जियावन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया और दमकल विभाग को सूचित किया।

दमकल की गाड़ियां पहुंचने तक जला: प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा ट्रक उसकी चपेट में आ गया। दमकल की गाड़ियां पहुंचने तक ट्रक लगभग पूरी तरह जल चुका था। पुलिस और दमकल कर्मियों को आग बुझाने और यातायात सामान्य करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जियावन थाना प्रभारी शेषनारायण द्विवेदी ने बताया कि हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ था।

2028 के ओलंपिक गेम्स में छाएगा क्रिकेट

नई दिल्ली ,एजेसी। 128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी की दिशा में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के पुरुष और महिला क्रिकेट टूर्नामेंट्स के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। इस नई प्रणाली में दोनों प्रतियोगिताओं के लिए अलग-अलग क्वालिफिकेशन तरीके निर्धारित किए गए हैं। इस मंजूरी से यह सुनिश्चत हो गया है कि एलए28 में पुरुषों और महिलाओं के टी20 टूर्नामेंट में छह-छह टीमों हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम में अधिक से अधिक 15 खिलाड़ी शामिल होंगे। साल 1900 में आयोजित पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट को पहली और इकलौती बार शामिल किया गया था, जिसके बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी में कुल 180 एथलीट (90 पुरुष और 90 महिलाएं) हिस्सा लेंगे। आईएसी और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की तरफ से संयुक्त रूप से जारी क्वालिफिकेशन सिस्टम से पता चलता है कि भले ही दोनों टूर्नामेंट्स में छह-छह टीमों होंगी, लेकिन पुरुषों और महिलाओं के इवेंट्स के लिए क्वालिफिकेशन के तरीके काफी अलग होंगे। पुरुषों के टूर्नामेंट के लिए, चार टीमों सीधे आईसीसी मेस टी20 टीम रैंकिंग के जरिए क्वालीफाई करेंगी। हालाँकि, क्वालिफिकेशन सिर्फ टॉप चार रैंकिंग वाली टीमों से तय नहीं होगा। इसके बजाय, 31 दिसंबर 2026 को क्वालिफिकेशन विंडो खत्म होने



पर चार अलग-अलग महाद्वीपों की चार सबसे ऊँची रैंकिंग वाली योग्य नेशनल ओलंपिक कमेटियाँ सीधे ओलंपिक में जगह पक्की करेंगी। लॉस एंजिल्स गेम्स के मेजबान के तौर पर यूनाइटेड

आखिरी जगह का फैसला 'फाइनल ओलंपिक ग्लोबल क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट' (एफओजीक्यूटी) के जरिए होगा, जिसमें शेष एक स्थान के लिए अगली आठ सबसे ऊँची रैंकिंग वाली योग्य टीमें मुकाबला करेंगी, जिन्होंने पहले क्वालीफाई नहीं किया है। दूसरी तरफ, महिलाओं का क्वालिफिकेशन सिस्टम एक अलग मॉडल पर आधारित है। चार सीधे क्वालीफायर तय करने के लिए आईसीसी रैंकिंग का इस्तेमाल करने के बजाय, आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 मुख्य क्वालीफाईंग इवेंट होगा। टूर्नामेंट के आखिर में चार अलग-अलग महाद्वीपों की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली योग्य टीमें एलए28 के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। पुरुषों के इवेंट की तरह, मेजबान यूएसए को भी स्वतः प्रवेश मिलेगा, बशर्ते वे क्वालिफिकेशन पेरियड के दौरान टॉप 15 में रहने की न्यूनतम रैंकिंग की शर्त पूरी करें। अंतिम स्थान का फैसला 'फाइनल ओलंपिक ग्लोबल क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट' के जरिए किया जाएगा, जिसमें अगली आठ सबसे अच्छी रैंकिंग वाली योग्य टीमों हिस्सा लेंगी, जिन्होंने पहले क्वालीफाई नहीं किया है। क्वालिफिकेशन सिस्टम का एक अहम पहलू वेस्टइंडीज से जुड़ा है। हालाँकि, कैरेबियाई टीम आईसीसी इवेंट्स में एक संयुक्त टीम के तौर पर खेलती है, लेकिन आईओसी इसे 'नेशनल ओलंपिक कमिटी' के तौर पर मान्यता नहीं देता, इसलिए यह ओलंपिक गेम्स में एक इकाई के तौर पर हिस्सा नहीं ले सकती।।

अंडर-15 एशियन चैंपियनशिप में फ्रीस्टाइल टीम दूसरे स्थान पर रही भारतीय लड़कों ने 4 गोल्ड जीते



पटाया (थाईलैंड),एजेसी। अंडर-15 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप के तीसरे दिन भारतीय लड़कों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चार गोल्ड मेडल जीते और पुरुषों की फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में देश के लिए कुल आठ मेडल हासिल किए। भारत ने तीसरे दिन की समाप्ति तक अंडर-15 चैंपियनशिप में कुल 21 मेडल (8 गोल्ड, 6 सिल्वर, 7 ब्रॉन्ज) हासिल कर लिए हैं। प्रथमेश एस पाटिल (52 किलोग्राम), नैतिक (62 किलोग्राम), केशव हर्षद चेमटे (75 किलोग्राम) और विवेक चौहान (85 किलोग्राम) ने अपने-अपने भारवर्गों में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय टीम के लिए दिन को यादगार बनाया। चार गोल्ड मेडल के अलावा, भारत ने एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल भी जीते, जिससे सोमवार को सभी आठ भारवर्गों में पॉडियम पर जगह बनाई। फाइनल मुकाबलों में, पाटिल ने जापान के दाइची मात्सुमी के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 10-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि चौहान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जापान के ही एक अन्य रेसलर, ताइसई सुजुकी को 5-0 से हराया। नैतिक ने एक रोमांचक मुकाबले में उज्बेकिस्तान के इस्मोइलजोन नाजिरजोव को 8-6 से मात दी। चेमटे ने हाई-स्कोरिंग थ्रिल में कजाकिस्तान के येरसुल्तान सुलेमान को 11-10 से शिकस्त दी। वहीं, नितेश (57 किग्रा) को फाइनल में जापान के आइसेब घरेहदाबी के खिलाफ 2-10 से हार का सामना करने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम ने अपने तीनों ब्रॉन्ज-मेडल प्लेऑफ मुकाबले जीते। गौतम (41 किलोग्राम) ने हांगकांग के शू यान सुंग को 'पिन' करके 8-0 से जीत हासिल की, वंश अहलावत (44 किलोग्राम) ने ताजिकिस्तान के योक्नुब दिलशोद दिलशोजोदा पर 12-4 अंकों से शानदार जीत दर्ज की, जबकि अरमान (68 किलोग्राम) ने तुर्कमेनिस्तान के इदरीस मेलेजेव को 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 10-0 से हराया। तीसरे दिन के नतीजे (पुरुष फ्रीस्टाइल) गोल्ड: प्रथमेश एस पाटिल (52 किलोग्राम) ने दाइची मात्सुमी (जापान) को 10-0 से हराया। गोल्ड: नैतिक (62 किलोग्राम) ने इस्मोइलजोन नाजिरजोव (उज्बेकिस्तान) को 8-6 से मात दी। गोल्ड: केशव हर्षद चेमटे (75 किलोग्राम) ने येरसुल्तान सुलेमान (कजाकिस्तान) को 11-10 से शिकस्त दी। गोल्ड: विवेक चौहान (85 किलोग्राम) ने ताइसई सुजुकी (जापान) को 5-0 से हराया।

दिल्ली कैपिटल्स में वापसी से ऋषभ अपना स्वाभाविक प्रदर्शन कर पायेंगे : डिविलियर्स बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान दे सकेंगे



जोहांसबर्ग ,एजेसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स का मानना है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने जिस प्रकार से एक बार फिर अपनी पुरानी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। वह एक रणनीतिक कदम है। इससे उनके ऊपर अधिक वेतन को लेकर पड़ रहा दबाव कम होगा और वह अपना स्वाभाविक खेल दिखा सकेंगे। ऋषभ ने हाल ही में लखनऊ सुपरजयंट्स में मिल रहे रिकार्ड 27 करोड़ के वेतन को छोड़कर 15 करोड़ में दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। डिविलियर्स का मानना है कि वेतन का कम दबाव पंत को अपना स्वाभाविक खेल दिखाने में सहायता कर सकता है। पिछले सत्र में लखनऊ के साथ मतभेदों के कारण संभव नहीं हो पा रहा था। डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र के दौरान ही ऋषभ की नाराजगी भी सुपरजयंट्स टीम से दिख रही थी। इससे भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। ऋषभ दो सत्र तक लखनऊ सुपर जयंट्स में शामिल रहे। वहीं इस बार ट्रेड करार के तहत वह दिल्ली कैपिटल्स में लौट आए हैं। ऋषभ ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत साल 2016 में दिल्ली कैपिटल्स से ही की थी। अब अगले आईपीएल सत्र में सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि ऋषभ अपनी पुरानी टीम में वापसी के बाद किस तरह का प्रदर्शन करते हैं और दिल्ली कैपिटल्स नए बदलावों के साथ कितनी सफलता हासिल कर पाती है या नहीं। लखनऊ सुपर जयंट्स में रहते हुए ऋषभ को आईपीएल में सबसे ज्यादा 27 करोड़ रुपये की राशि मिली थी। हालाँकि दिल्ली कैपिटल्स में वापसी के बाद उनका वेतन घटकर 15 करोड़ रुपये रह गया है। डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र में ऋषभ ने कई बार संकेत दिये थे कि वह वह टीम के माहौल से खुश नहीं हैं। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ के साथ भी उनका तालमेल नहीं था। कप्तान के तौर पर वह लखनऊ सुपर जयंट्स में असफल रहे थे। ऋषभ के दिल्ली से जुड़ने के अलावा भी टीम में कई अन्य बदलाव इसके तहत पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक बार फिर टीम के क्रिकेट निदेशक की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह के बल्लेबाजी कोच बनने की संभावनाएं हैं। डिविलियर्स हालाँकि लगातार बदलावों को सही नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि ज किसी टीम में बार-बार मालिक, कोच और प्रबंधन बदलते हैं तो खिलाड़ियों के लिए स्थिर माहौल बनाना मुश्किल हो जाता है।

मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई

मॉन्टेरी ,एजेसी। मोरक्को ने मंगलवार को यहां मॉन्टेरी स्टेडियम में नीदरलैंड पर पेनल्टी शूटआउट में जबरदस्त जीत के साथ फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम-16 में जगह बना ली। निश्चित और अतिरिक्त अवधि (120 मिनट) मिलाकर भी इस मैच का फैसला नहीं हो सका। मैच 1-1 से बराबर था। इसके बाद पेनल्टी में मोरक्को ने 3-2 से जीत हासिल की। 72वें मिनट में कोडी गैकपो ने गोल करके नीदरलैंड को बढ़त दिलाई। क्राइसेंसियो समरविले के गोल के सामने एक शानदार रन और ऑफ-बैलेंस टचबैक ने गैकपो को गोल करने में मदद की। गैकपो अब वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के लिए छह गोल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह सिर्फ जॉनी रेप से पीछे हैं, जिन्होंने 1974 (चार गोल) और 1978 (तीन गोल) के बीच सात गोल किए थे। मोरक्को ने 91वें मिनट में बराबरी का गोल करके वापसी की। सेंट्रल डिफेंडर इसा डियोप ने अतिरिक्त समय की शुरुआत में स्थानापन्न चेम्सडाइन टैल्बी के क्रॉस पर हेडर मारकर गोल कर दिया। मॉन्टेरी में 120 मिनट का रोमांचक मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा और रेगुलर या एक्स्ट्रा टाइम में कोई विनर नहीं बन पाया। लगातार दूसरे मैच में, टीमों को बांटने के लिए पेनल्टी कििक की जरूरत पड़ी। पेनल्टी कििक के दौरान, दोनों देशों ने अपनी पहली दो कोशिशों में से एक में चूक की, तीसरी में गोल किया और फिर चौथी में चूक गए। यासीन बौनू ने क्राइसेनसियो समरविले का शॉट बचाया, और इस्माइल साइबारी ने अपना गोल करके जीत हासिल की। वहां, यासीन बौनू शूटआउट में हीरो बने।



एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा



मुंबई ,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की। बीसीसीआई की ओर से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया गया है। सिलेक्शन कमिटी ने ज्यादातर उन्हीं खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जो टी20 वर्ल्ड कप में खेली थी। बीसीसीआई की ओर से टीम में एक बदलाव किया गया है। यस्तिका

हरमनप्रीत कौर के कंधों पर गोल्ड बचाने की जिम्मेदारी

भाटिया की जगह बाएं हाथ की बल्लेबाज और विकेटकीपर जी. कामलिनी को स्क्वाड में शामिल किया गया है। एशियाई खेलों 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर टीम इंडिया उतरेगी। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक टूर्नामेंट खेला जाएगा। भारत ने इससे पहले चीन के हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था। टीम की बात करें तो उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के कंधों पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी को मजबूती देंगी। ऋचा घोष विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाएंगी और उनके साथ बैकअप विकेटकीपर के तौर पर कामलिनी को टीम में जगह मिली है। तेज गेंदबाजी की बात करें तो स्विंग स्पेशलिस्ट रेणुका सिंह ठाकुर और अनुभवी अरुंधति रेड्डी के कंधों पर जिम्मेदारी रहेगी। वहीं, राधा यादव और श्रेयंका पाटिल स्पिन से विपक्षी बल्लेबाजों को छकाएंगी। बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि हाल ही में चोट के कारण बाहर रहने के बाद श्रेयंका को फाइनल स्क्वाड में शामिल करना उनकी फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगा। टखने में चोट के कारण यह ऑलराउंडर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई थीं। एशियाई गेम्स 2026 के लिए भारतीय स्क्वाड: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गोड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल (फिटनेस पर निर्भर), राधा यादव, नंदनी शर्मा।

चार बार की चैम्पियन जर्मनी बाहर, पैराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज कर अंतिम-16 में जगह बनाई



फॉक्सबोरो,एजेसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में पराग्वे ने चार बार की चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बड़ा उल्टफेर कर दिया। मंगलवार को बोस्टन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले का निर्धारित समय 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। इसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। फीफा विश्व कप के इतिहास में जर्मनी इससे पहले कभी भी

पेनल्टी शूटआउट में नहीं हारा था। इस बार भी टीम ने आखिरी तक संघर्ष किया। अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नोयर ने शानदार बचाव कर जर्मनी की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन आखिरकार पराग्वे ने अपने तीसरे निर्णायक मौके का फायदा उठाकर अंतिम-16 में जगह बना ली। मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने गोल पराग्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में फ्लोरियन विर्ट्ज के क्रॉस पर काई

हैवर्ट्ज ने हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जोनाथन टाह ने भी हेडर से गोल किया, लेकिन उसे अमान्य करार दे दिया गया। तय समय तक कोई और गोल नहीं हुआ, इसलिए मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। शूटआउट की शुरुआत जर्मनी ने की, लेकिन काई हैवर्ट्ज की पहली पेनल्टी पर पराग्वे के गोलकीपर के हाथों बचाव किया। इसके बाद मॉरिसियो ने गोल कर

पराग्वे को बढ़त दिला दी। हालाँकि, जोशुआ किमिख ने अगली पेनल्टी पर गोल करके जर्मनी की वापसी कराई। इसके बाद गुस्तावो गोमेज़ ने गोल कर पराग्वे को 2-1 से आगे किया, लेकिन जमाल मुसियाला ने शानदार शॉट लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया। रोमांच तब और बढ़ गया जब मटियास गैलाज़ा ने गोल करके पैराग्वे को जीत के करीब पहुंचा दिया, जबकि जर्मनी के लिए निक वोल्टेमेड का अगला प्रयास रोक दिया गया। हालाँकि, चार बार की चैंपियन टीम मुकाबले में बनी रही क्योंकि एंटोनियो सनाबिया का संभावित मैच-विनिंग शॉट रोक दिया गया, जिससे नादिम अमीरी को मौका मिला और उन्होंने स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद पराग्वे के फेबियन बालबुपना की पेनल्टी को भी मैनुअल नोयर ने रोककर जर्मनी की उम्मीदें कायम रखीं। लेकिन पराग्वे ने तीसरा मौका नहीं गंवाया। जोसे कनाले ने दबाव के बीच शानदार पेनल्टी लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई और जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस जीत के साथ कोच गुस्तावो अल्फारो की अगुआई में पराग्वे ने अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी का अभियान राउंड ऑफ 32 में ही समाप्त हो गया।

इस युवा ऑलराउंडर की फिटनेस पर सख्तें

नई दिल्ली ,एजेसी। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितेश कुमार रेड्डी की इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उपलब्धता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोट से उबर रहे रेड्डी ने अभी तक अपना रिहैबिलिटेशन भी शुरू नहीं किया है, जबकि सीरीज शुरू होने में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है। BCCI की मेडिकल टीम ने 23 वर्षीय नितेश कुमार रेड्डी को फिलहाल लंबा आराम करने की सलाह दी है। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर संशय और बढ़ गया है। अफगानिस्तान सीरीज के दौरान लगी थी चोट नितेश कुमार रेड्डी को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बाएं पैर की क्वाड्रिसेप्स (Quadriceps) मांसपेशी में चोट लगी थी। इसी वजह से वह दूसरे वनडे से बाहर रहे थे, हालाँकि बाद में तीसरे और अंतिम मुकाबले में वापसी की थी। इसके बाद दर्द पूरी तरह ठीक नहीं होने के कारण उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर होना पड़ा। हार्दिक पहले से बाहर, अरु रेड्डी पर भी संकेत रेड्डी की फिटनेस पर सवाल ऐसे समय उठे हैं जब टीम इंडिया पहले ही अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की सेवाएं नहीं ले पा रही है। हार्दिक फिलहाल बंगलूरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सर्सीसेंस (CoE) में अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए परफॉर्मंस ब्लॉक प्रोग्राम से गुजर रहे हैं। अगर रेड्डी भी उपलब्ध नहीं होते हैं तो भारत के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की कमी बड़ी चुनौती बन



सकती है। क्या सूर्याश शेडगे को मिलेगा मौका यदि नितेश कुमार रेड्डी फिट नहीं हो पाते हैं तो सूर्याश शेडगे उनके सबसे मजबूत विकल्प बन सकते हैं। शेडगे ने श्रीलंका में खेली गई वनडे ट्राई-सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया, जहां दो ओवर में 25 रन देकर एक रन बनाया। अब तक शेडगे ने 15 लिस्ट-ए मुकाबले खेले हैं, जिनकी 13 पारियों में 258 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 21.50 और स्ट्राइक रेट 101.97 रहा है। गेंदबाजी में उनके नाम 11 विकेट दर्ज हैं, जिसमें एक चार विकेट हॉल भी शामिल है।

रीवा में आधी रात को ईंधन आपूर्ति पर उठे सवाल

किसानों को डीजल की कमी की शिकायत, जानकी फिलिंग जियो-बीपी पेट्रोल पंप पर औद्योगिक टैंकरों में ईंधन भरने का वीडियो सामने आया



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के इटौर बायपास स्थित जानकी फिलिंग जियो-बीपी पेट्रोल पंप एक बार फिर चर्चाओं में है। देर रात

स्थानीय किसानों और नागरिकों ने ईंधन वितरण व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं वीडियो में रात लगभग 1:11 बजे पेट्रोल पंप पर दो

बड़े टैंकर ईंधन भरवाते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है लेकिन इसके सामने आने के बाद पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है स्थानीय

किसानों का आरोप है कि कृषि कार्य के लिए उन्हें आवश्यकता के अनुरूप डीजल उपलब्ध नहीं हो पाता कई किसानों का कहना है कि कभी स्टॉक की कमी तो कभी अन्य कारण बताकर उन्हें सीमित मात्रा में डीजल दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर उनका दावा है कि व्यावसायिक उपयोग के लिए बड़े वाहनों को लगातार ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है मीडिया कर्मियों द्वारा देर रात मौके पर पहुंचने पर कथित रूप से दो टैंकर ईंधन डिस्पेंसर के पास खड़े दिखाई दिए प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टैंकरों में काफी देर तक ईंधन भरा गया वीडियो सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है स्थानीय लोगों का दावा है कि रतहर से चोखट्य मार्ग का निर्माण कर रही केसीसी कंपनी के वाहनों के लिए सार्वजनिक पेट्रोल पंप से नियमित

रूप से बड़ी मात्रा में डीजल दे रहे हैं। हालांकि कंपनी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है और लेकिन इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि अब हो गई है ग्रामीणों का कहना है कि यदि किसी निर्माण कंपनी को सार्वजनिक पेट्रोल पंप से बड़े पैमाने पर ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है तो संबंधित विभागों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि यह प्रक्रिया लागू नियमों और अनुमति के अनुरूप है या नहीं साथ ही ईंधन बिक्री का रिकॉर्ड स्टॉक रजिस्टर और आवश्यक अनुमतियों की जांच भी की जानी चाहिए विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसानों द्वारा लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं और कृषि उपयोगकर्ताओं को पर्याप्त डीजल नहीं मिल रहा जबकि व्यावसायिक उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है तो यह गंभीर प्रशासनिक विषय हो सकता

है हालांकि इसकी पुष्टि केवल सक्षम अधिकारियों की जांच के बाद ही हो सकती है स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग तथा संबंधित पेट्रोलियम कंपनी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है उनका कहना है कि यदि कोई अनियमितता नहीं हुई है तो जांच से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए समाचार लिखे जाने तक जांकी फिलिंग जियो-बीपी पेट्रोल पंप प्रबंधन तथा संबंधित निर्माण कंपनी का आधिकारिक पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा फिलहाल वीडियो स्थानीय आरोपों और किसानों की शिकायतों के आधार पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है।

रोजगारपरक मीडिया कोर्सेज की पहली पसंद बना एमसीयू रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का रीवा परिसर देश और प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए मीडिया शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए चल रही ऑनलाइन प्रक्रिया में विद्यार्थियों के बड़ी संख्या में आवेदन आ रहे हैं। रीवा परिसर की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ मध्य प्रदेश सहित झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों ने भी प्रवेश के लिए एडमिशन आवेदन किया है विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, छात्रों के इसी भारी उत्साह और मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश की अंतिम तिथि आगे बढ़ा दी है। इच्छुक छात्र अब विश्वविद्यालय के पोर्टल पर 10 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। गौरतलब है कि रीवा परिसर में उपलब्ध कुल सीटों में से 60 फीसदी सीट पहले ही भर चुकी हैं

और अब शेष 40 फीसदी सीटों पर प्रवेश के लिए छात्र लाइन में हैं। रीवा परिसर के प्रभारी निदेशक डॉ. सतेन्द्र डेहरिया ने बताया कि परिसर में संचालित सभी मीडिया और कंप्यूटर पाठ्यक्रम पूरी तरह रोजगारोन्मुखी हैं। स्नातक स्तर पर जहाँ बीएएमसी और बीएससी-ईएम जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, वहीं स्नातकोत्तर स्तर पर एमए-जे एमएएमसी और एमएससी-ईएम जैसे उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए कंप्यूटर विज्ञान संकाय के अंतर्गत बीसीए पाठ्यक्रम और डीसीए व पीजीडीसीए जैसे डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने पर मध्य प्रदेश शासन के नियमानुसार आरक्षित वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति का पूरा लाभ भी दिया जाता है मीडिया डिप्लोमा धारकों के लिए रोजगार के अवसरों की चर्चा करते हुए एडजंक्ट प्रोसेसर जयराम शुक्ल ने कहा कि यहाँ से कोर्स पूरा करने के बाद छात्र सभी तरह की सरकारी नौकरियों के लिए स्वतः अर्हता प्राप्त कर लेते हैं।

त्यौंथर की जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का विशाल धरना-प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, रोजगार और किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरा, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्यौंथर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के नेतृत्व में विशाल धरना-प्रदर्शन एवं आमसभा का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि, जिला संगठन प्रभारी एवं पूर्व विधायक रामलखन सिंह पटेल अध्यक्ष तथा

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रमाशंकर सिंह पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभा के बाद कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल के नाम 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि त्यौंथर की जनता वर्षों से सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, किसानों की समस्याओं, युवाओं के रोजगार और

प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से जूझ रही है कई बार शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ जिसके चलते कांग्रेस को जनता की आवाज बनकर आंदोलन करना पड़ा अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक रामलखन सिंह पटेल ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि जनता के अधिकारों और त्यौंथर के समग्र विकास के लिए है उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर खाद-बीज नहीं मिल रहा बिजली व्यवस्था बर्दाहल है सड़कों की स्थिति खराब है राजस्व प्रकरण लंबित हैं और युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर

कांग्रेस व्यापक जनआंदोलन करेगी ज्ञापन में तहसील एवं एसडीएम कार्यालय को पुराने त्यौंथर नगर में स्थापित करने, रिक्त पदों पर नियुक्तियां, जले ट्रसफार्मर बदलने आवारा पशुओं की समस्या का समाधान अवैध शराब बिक्री पर रोक, नगर पंचायतों में सफाई व्यवस्था सुधारने, लंबित राजस्व मामलों का निराकरण, किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, रविवार को जनसुनवाई आयोजित करने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास तथा स्वीकृत 100 विस्तारीय अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू कराने सहित 12 प्रमुख मांगें शामिल रही कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

हैहय वंशीय ताम्रकार समाज रीवा का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न सिंधु भवन में एकजुट हुआ समाज, चारों मंडलों के पदाधिकारियों को दिलाई गई पद एवं गोपनीयता की शपथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हैहय वंशीय ताम्रकार समाज रीवा का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सिंधु भवन के विशाल हॉल में भगवान सहस्त्रबाहु महाराज के विधि-विधान से पूजन एवं सामूहिक हवन के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम का आयोजन पूर्व महापौर राजेंद्र ताम्रकार के विशेष तत्वाधान में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष धर्मेन्द्र पैगवार रहे समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिसके पश्चात नवयुवक मंडल एवं समाज के वरिष्ठजनों ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया। मंच पर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ताम्रकार, प्रदेश महामंत्री प्रदीप ताम्रकार, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष नंदलाल, नगर अध्यक्ष अजय, महिला मंडल अध्यक्ष कल्पना सहित अनेक



पदाधिकारी उपस्थित रहे मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र पैगवार ने अपने संबोधन में समाज को एकजुट होकर सामाजिक उत्थान एवं प्रगति के लिए कार्य करने का आह्वान किया उन्होंने रीवा के समाजसेवियों और ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए स्वर्गीय अर्जुन दास तामेर और स्वर्गीय भगपाल प्रसाद ताम्रकार को नमन किया समारोह में जिला नगर नवयुवक और महिला मंडल के नवनियुक्त

पदाधिकारियों को प्रदेशाध्यक्ष द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई सभी पदाधिकारियों ने समाजहित और संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया कार्यक्रम के अंत में सभी मंडलों के पदाधिकारियों ने समाज को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सामूहिक संकल्प लिया समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन, महिलाएं एवं युवा उपस्थित रहे।

नगर निगम की स्वच्छता टीम की कार्रवाई, 12,250 रुपये का स्पॉट फाइन वसूला गया

सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों पर सख्ती, वार्ड 27 व 40 में चला विशेष स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर निगम रीवा की स्वच्छता टीम द्वारा शहर में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई इस क्रम में वार्ड क्रमांक 27 एवं 40 में विशेष स्वच्छता अभियान चलाते हुए स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई स्वच्छता टीम ने एसएएफ चौराहा से धोबिया टंकी तक क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने, नालियों में अपशिष्ट डालने तथा सड़क किनारे गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों एवं नागरिकों के



विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई अभियान के दौरान कुल 12,250 रुपये की स्पॉट फाइन राशि वसूल की गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी निगम द्वारा नागरिकों

से अपील की गई है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, दुकानों में अनिवार्य रूप से डस्टबिन का उपयोग करें तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाएं कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, स्वच्छता निरीक्षक आकाश वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अनूप सेन हत्याकांड के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर सेन

समाज ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। सामाजिक चिंतक नत्थूलाल सेन के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग

की गई ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 20 मई 2026 को अनूप सेन की अज्ञात लोगों द्वारा निर्मम हत्या कर दी गई थी। घटना के लंबे समय बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही से आमजन में असंतोष बढ़ रहा है सेन समाज ने जिला प्रशासन से मांग की कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए तथा दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को शासन की ओर से उचित आर्थिक सहायता, मुआवजा एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करने की भी मांग

की गई इस अवसर पर ओबीसी महासभा के पदाधिकारी पप्पू कनीजिया, जेपी कुशवाहा, छोटेलाल रजक, रविराज बौद्ध, हरिप्रसाद सेन, धर्मेन्द्र सेन, लाल सेन, केशव वर्मा, दीनानाथ सेन, राजरखन पटेल, पूर्व विधायक डॉ. आई.एम.पी. वर्मा, सामाजिक चिंतक राहुल वर्मा, आकाश रावत सहित सेन समाज के अनेक पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे सेन समाज ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई और पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला, तो लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

नगर निगम रीवा में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भावभीना विदाई समारोह संपन्न

सहायक यंत्री सहित चार कर्मचारियों को शाल-श्रीफल भेंट कर दी गई सम्मानपूर्वक विदाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा में पदस्थ सहायक यंत्री जल प्रदाय एस.एन. द्विवेदी, स्थायी कर्मी शिवप्रसाद पाण्डेय, सफाई संरक्षक रामू नत्थू एवं मती अनीता सुंदर की अधिवाषिकी सेवा पूर्ण होने पर भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नगर निगम की ओर से शाल एवं फल भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी एवं एम.एस. सिद्दीकी ने कर्मचारियों के दीर्घकालीन सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की इस अवसर पर अधिकारियों ने



अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी नगर निगम परिवार का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे उन्होंने कहा कि जल प्रदाय सफाई व्यवस्था एवं अन्य नागरिक सेवाओं में इन कर्मचारियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है कार्यक्रम के दौरान उपस्थित

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके कार्यकाल को प्रेरणादायक बताया सहकर्मियों ने भावुक होते हुए उनके दीर्घ एवं सफल सेवाकाल की प्रशंसा की तथा उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री



राजेश सिंह, एच.के. त्रिपाठी, सिद्धार्थ सिंह, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, के.एन. साकेत, सहायक यंत्री पी.एन. शुक्ला, राजेश मिश्रा, कमलेश्वर सिंह, अभिनव चतुर्वेदी, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, दीपक सिंह तोमर, एआओ हेमंत त्रिपाठी, नीलेश चतुर्वेदी सहित

अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन भी समारोह में शामिल हुए अंत में सभी ने उन्हें सम्मान विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की समारोह का वातावरण अत्यंत भावुक एवं सौहार्दपूर्ण रहा।

केंद्रीय जेल रीवा का बोर्ड ऑफ विजिटर्स ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केंद्रीय जेल रीवा में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों ने रात दिवस जेल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य जेल मैनुअल-2016 के तहत बंदि्यों के साथ किसी भी प्रकार के जातिगत अथवा अन्य प्रकार के भेदभाव तथा जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लेना था निरीक्षण के दौरान बोर्ड ऑफ विजिटर्स के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीवा राकेश मोहन प्रधान, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, जिला विधिक अधिकारी दी लीगल एड डिफेंस कार्डसिल के उपाध्यक्ष अभय मिश्रा, पैरालीगल वॉलंटियर आनंद पाण्डेय सहित अन्य सदस्य



मौजूद रहे बोर्ड के सदस्यों ने जेल के सभी बंदी वार्ड, महिला वार्ड, जेल अस्पताल, कार्यशाला, रसोईघर, खाद्यान्न भंडारण कक्ष सहित विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान बंदि्यों से सीधे संवाद करने उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई तथा जेल की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का भी अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान बंदि्यों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई निरीक्षण

के दौरान बोर्ड ऑफ विजिटर्स ने केंद्रीय जेल रीवा में किसी भी प्रकार का जातिगत भेदभाव नहीं पाया साथ ही जेल की स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को संतोषजनक एवं बेहतर पाई गई। इस अवसर पर जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय, उप जेल अधीक्षक (प्रशासन) संजीव कुमार गेंदले, सहायक जेल अधीक्षक श्याम सिंह कुशवाहा, हेमंत रावत सहित समस्त जेल स्टाफ उपस्थित रहा।